जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

धन बढ़ेगा, घर बसेगा

15 लाख का लाभ मिलेगा

दिवाली पर 15 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

दिवाली बाद करोड़ों में मिलेगी कोठी !

गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	63.45 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	70.50 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	77.55 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	84.60 LACS	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	98.70 LACS	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.41 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। –धर्मवीर भारती

यह देश है ठगने वालों का.....

वर्ष 1957 में एक फिल्म आई थी 'नया दौर'। यह फिल्म काफी प्रसिद्ध हुई और हिट भी हुई। इस फिल्म में एक गाना था "यह देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का......"। यह फिल्म स्वतंत्रता के 10 वर्ष बाद बनी थी और समय पूरे देशवासियों में एक नए उत्साह का संचार हो रहा था और वे सभी स्वतंत्र भारत में अपने सुनहले भविष्य की ओर देख रहे थे। इसीलिए समय इस फिल्म का नाम भी नया दौर रखा गया।

अब जबकि स्वतंत्र हुए हमें 77 वर्ष हो चुके हैं, और इस फिल्म को रिलीज हुए भी 67 वर्ष हो गए हैं, यदि आज इसी तर्ज पर किसी गीतकार को गीत लिखना होता, तो उसके बोल कुछ इस प्रकार के होते, "यह देश है ठगने वालों का........"।

ऐसा क्यों कहा जा रहा है, यह समझना उपयुक्त होगा।

सबसे पहले तो यह स्पष्ट करना आवश्यक है की चोरी, डाका और ठगी एक समान समान नहीं हैं। चोरी जहां व्यक्ति की अनुपस्थिति में और जानकारी के बिना की जाती है वहीं डाका खुलेआम डरा-धमका कर डाला जाता है, जबकि ठगने वाला व्यक्ति ऐसा व्यवहार करता है जैसे वह किसी की भलाई का काम कर रहा है किंतु वास्तव में वह जिसकी भलाई का दावा करता है, वास्तव में उसी को क्षति पहुंचाने का काम करता है। इस प्रकार के कृत्य को ठगी कहा जाता है।

प्रतिदिन हम समाचार पत्रों में पढते हैं कि कैसे भोले भाले लोग अनेक प्रकार से ठगे जा रहे हैं। आधुनिकतम तकनीक एवं डीजीटल प्रगति ने, साधारण नागरिकों को ठगने का एक अच्छा माध्यम उपलब्ध करा दिया है। हम प्रतिदिन पढते हैं कि कैसे ई-कॉमर्स वाली कंपनियां लोगों को खराब समान देकर ठग रही हैं। विदेशी पर्यटक महंगे रत्न खरीद कर ले जाते हैं और बाद में पता लगता है कि उन्हें साधारण पत्थर दे दिए। ऐसी अनेक शिकायतें मुझे निदेशक, पर्यटन के रूप में मिलती थीं।

अनेक महिलाएं उन व्यक्तियों के द्वारा ठगी गई हैं, जिन्होंने उनके स्वर्ण आभूषणों को चमकाने का दावा किया था और इसी प्रक्रिया में वह आभूषणों में से काफी सोना निकाल कर ले गए।

आजकल तो आपके पास किसी मेल अथवा मैसेज में प्राप्त लिंक पर क्लिक करते ही आपके बैंक से सारा पैसा निकल सकता है। 'वीडियो अरेस्ट' का एक नया तरीका ढूंढा है ठगों ने। इसके माध्यम से लच्छेदार बातों से इस प्रकार का वातावरण बना देते हैं कि जिसे ठगा जा रहा है वह जाकर भी उस प्रक्रिया से अलग नहीं हो सकता। यह सब तो तब है जबकि तकनीकी प्रगति बहुत तेज गति से हुई है। पहले तो केवल निरक्षर और गांव के लोग ही ठगे जाते थे, किंतु अब तो ऐसे भी कई लोग ठगे गए हैं जो उच्च प्रशासनिक और पुलिस पदों पर हैं। साइबर ठगी के लगभग 70000 के मामले प्रतिवर्ष दर्ज हो रहे हैं। इससे कई गुना अधिक ऐसे मामले हैं जो पुलिस में दर्ज होते ही नहीं, क्योंकि जो ठगे जाते हैं उन्हें तो यह भी नहीं पता कि, किस प्रकार से ठगी के दुश्चक्र से बाहर निकलना है।

ठगने के इस धंधे में केवल निजी लोग ही लगे हों, ऐसा नहीं है। सरकार भी जनता को ठगने में पीछे नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि जनता सत्ता के हाथों ही सबसे अधिक ठगी जा रही है। जब चुनाव के दौरान राजनीतिक दल प्रचार करते हैं तो विभिन्न प्रकार के लुभावने नारे लगाते हैं किंतु वास्तविकता तब पता चलती है जब मतदाता उसे जिता देता है। वे उसका शोषण, पहले से भी अधिक करने के उपक्रम में लग जाते हैं।

प्रत्येक क्षेत्र, जिससे सामान्य जन का वास्ता पडता है, वहां लगभग प्रतिदिन वह ठगा जा रहा है। उसे शायद नहीं पता कि जो वायु, सांस के रूप में प्रतिक्षण लेता है उससे कितने हानिकारक तत्व उसके शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। यह उसे तभी पता लगता है जब वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाय। यह सब उस विभाग की मिलीभगत के कारण जिसे प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल में जाएं तो वहां डॉक्टरी जैसे पवित्र व्यवसाय करने वाले भी मरीज को ठगने के लिए तैयार रहते हैं। इसके लिए वह चाहे अनावश्यक जांचें करवाएं अथवा महंगी दवाइयां लिखें, क्योंकि इन दोनों से ही उसे अपने हिस्से की राशि तो कमीशन के रूप में प्राप्त होनी ही है।

हाल ही में जब नकली दवाइयां का जखीरा पकडा गया तो जिस निर्माता का नाम उन दवाइयां के पैकेजिंग पर लिखा गया था, उसने तो यह कहकर अपना पल्ला झाड लिया कि ये दवाइयां उसके द्वारा बनाई ही नहीं गई है। अब उस आम व्यक्ति का क्या होगा, जिसने यह दवाइयां किसी अच्छी प्रतिष्ठित कंपनी की समझ कर खरीद लीं। आज तक किसी दवा विक्रेता या स्टॉकिस्ट को नकली दवाएं बेचने के आरोप में सजा हुई हो, ऐसा पढने और देखने में नहीं आया है। इसका कोई आंकडा उपलब्ध नहीं है कि नकली दवाएं लेने के कारण और गलत जांच होने के कारण कितने लोग न केवल आर्थिक रूप से अपितु शारीरिक रूप से भी कष्ट से गुजरने को मजबूर हुए हैं।

आजकल, सरकारी नौकरी के लिए चयन करने वाली संस्थाएं, जैसे लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग भी बेरोजगार लोगों को ठगने में पीछे नहीं हैं। करोड़ों रुपए की फीस वसूल करने के बाद भी वे यह सुनिश्चित नहीं कर पाते कि पूरी ईमानदारी के साथ भर्ती परीक्षा आयोजित हो जाए और योग्यतम अभ्यर्थी चयनित होकर सरकारी नौकरी में आए। एक यही काम संस्थाओं को सोपा गया था और वह भी यह नहीं कर पाए हैं या जानबूझकर ऐसा काम कर रहे हैं, ताकि वे बेरोजगारों को ठग कर, लाखों करोड़ों रुपए कमा सकें।

सही बात तो यह है कि हम में से प्रत्येक, प्रतिदिन किसी न किसी प्रकार की ठगी का शिकार हो रहा है, कभी जाने में, कभी अनजाने में। इससे उबरने का कोई रास्ता फिलहाल तो नजर नहीं आ रहा है। देखना है, क्या कोई सरकार या नागरिक संगठन, इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई करके, देश के नागरिकों को ठगी का शिकार होने से बचाने में सफल हो पाता है या नहीं?

सरकार प्रत्येक वाहन पर, खरीदने के समय ही, रोड टैक्स वसूल कर लेती है, किंतु उसके बाद टोल टैक्स के नाम से बहुत बडी राशि अनिश्चित काल तक वसूल करती रहती है। यह देखा गया है कि सड़क बनाने में लगी राशि पूरी वसूल करने के बाद भी टोल टैक्स की वसूली लगातार चलती रहती है। यह एक प्रकार की सरकारी ठगी ही तो है।आधुनिक प्रकार की ठगी में तो ठगे जाने वाला समझ भी नहीं पाता कि उसे ठगा गया है। कई बार ठगने की कार्रवाई को कानूनी जामा तक सरकार द्वारा पहना दिया जाता है।

वकीलों का काम अपने मुवक्किलों को न्यायालय के माध्यम से जल्द से जल्द न्याय दिलाने का होता है। किंतु वे लंबे समय पर केवल तारीख लेने का ही काम करते हैं। लगभग आधे प्रकरणों में सरकार एक पक्षकार होती है। सरकारी वकील, सरकार के पक्ष में अपनी योग्यता का उपयोग करने के बजाय विपक्षी-निजी पक्षकार के हित में काम करने लगते हैं। इसी कारण सरकार अधिकतर प्रकरणों में हार जाती है।

खाद्य सामग्री बेचने वाले या फल बेचने वाले अनेक प्रकार के रसायनों का उपयोग करते हैं ताकि फल एवं सब्जी अधिक आकर्षक लगें या फिर समय से पहले उन्हें पका लिया जाय। दोनों ही मामलों में, कुल मिलाकर इस ठग प्रवृत्ति का शिकार तो आम नागरिक को ही होना पडता है। यह सब केवल इसलिए है कि आम नागरिक को मूर्ख बनाकर उसे ठगा जाए और नागरिक यह समझ ही नहीं पाए कि उसे किस प्रकार से ठगा जा रहा है।

वर्तमान में, पूरे देश में जो व्यापार सबसे अधिक फल फूल रहा है वह है ठगने का। बिल्डर आपको फ़्लैट बेचते समय यह कहेगा कि इतना सुपर बिल्ट अप एरिया और कारपेट एरिया है, किंतु जब आप फ्लैट का कब्जा लेने जाएंगे तो स्थिति बिल्कुल अलग मिलती है। आवासीय भवन के नाम पर आपको फ्लैट बेचे जाएंगे, लेकिन इस भवन में कई प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी बिल्डर पैसे लेकर कुछ क्षेत्र बेच देते हैं। इसके कारण आवासियों को कई प्रकार की असुविधा झेलनी पडती हैं।

ठगे जाने का सिलसिला लगभग सभी विभागों एवं सभी क्षेत्रों में पूरी तरह व्याप्त हो चुका है।

खिलाड़ी चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, जब तक वह खेल संघ के पदाधिकारी की चापलूसी नहीं कर सके अथवा उनके गलत इरादों में उनका सहयोग देने के लिए तैयार ना हो जाए तो फिर उसका राष्ट्रीय टीम में चयन होना लगभग असंभव है।क्या इस प्रकार के चयन के परिणाम स्वरूप, जो प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने देश के लिए खेलने से वंचित रह गए, वे अपने आप को ठगा महसूस नहीं करेंगे? जब भी किसी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई, उसे किसी न किसी प्रकार से दबाया गया है, ताकि अन्य लोग भी इस प्रकार की ठगी को चुपचाप सहन करते रहें और उसके विरुद्ध कोई आवाज उठाने का साहस तक न करें।

कहा जाता है, ठग ही जाने, ठग की भाषा। लगता है ठगने की प्रतिस्पर्धा हो रही है कि के ठगने की कला में कौन कितना सिद्ध है? जो जितना पारंगत है उतना ही वह दूसरे को ठगने में लगा हुआ है। ठगने में पाखंडी बाबाओ की कोई कमी नहीं है। ये विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों का शर्तिया इलाज करने का दावा करते हैं और भोली जनता उनके मार्केटिंग के जाल में फंस कर ठगी का शिकार हो जाती है। कई बार तो ये ठग, महिलाओं का यौन शोषण करने से भी नहीं चूकते। हमारे एक निकट परिचित ने अभी हाल ही में एक बड़ी धनराशि किसी तथा कथित आयुर्वेद विशेषज्ञ के हवाले कर दी, जबकि उन्होंने किसी प्रकार की न तो कोई रसीद दी एवं न उन्होंने यह बताया कि वह किस प्रकार की दवाएं उनको दे रहे हैं। जब उनसे इस बारे में प्रश्न किया गया तो उन्होंने यहां तक कहा कि वह भगवान हैं और भगवान से कोई प्रश्न नहीं किया जा सकता। ऐसे व्यक्ति, अंध भक्ति के कारण खूब फल फूल रहे हैं। स्पष्ट है, ठगने के व्यापार में सभी लोग एक-दूसरे के सहायक की भूमिका निभा रहे हैं। सरकार की कोप दृष्टि इन पर कभी नहीं पड़ती क्योंकि यह सरकार के अधिकारियों की मिलीभगत से ही ऐसा करने में सफल होते हैं।

मैंने बहुत विचार किया कि कोई तो ऐसा क्षेत्र होगा जहां लोग ठगी से बचे हुए हैं, किंतु ऐसा कोई क्षेत्र दिखाई नहीं देता।

सरकार की लगभग सारी योजनाएं कुछ लोगों के द्वारा ठगी करने के कारण दलालों की बलि चढ़ गई है। हाल ही में समाचार पत्रों में यह प्रकाशित हुआ है कि कैसे अनेक वृद्ध व्यक्तियों को मिल रही पेंशन उन्हें मृत घोषित करते हुए बंद कर दी गई, जब कि वे जीवित हैं। इसी प्रकार हजारों लोगों को राज्य से पलायन करना बता कर उनकी पेंशन बंद कर दी गई। मीडिया में ऐसे पीड़ित लोगों के नाम, फोटो के साथ प्रकाशित हुए हैं। इसके बावजूद ऐसा लगता नहीं है कि, जिस अधिकारी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई, उसके विरुद्ध कार्रवाई करके उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा। जवाबदेही की कमी के कारण ही ठगने का कारोबार तेजी से बढ़ रह रहा है।

सही बात तो यह है कि हम में से प्रत्येक, प्रतिदिन किसी न किसी प्रकार की ठगी का शिकार हो रहा है, कभी जाने में, कभी अनजाने में। इससे उबरने का कोई रास्ता फिलहाल तो नजर नहीं आ रहा है। देखना है, क्या कोई सरकार या नागरिक संगठन, इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई करके, देश के नागरिकों को ठगी का शिकार होने से बचाने में सफल हो पाता है या नहीं? अभी तो जिन नियामक संस्थाओं के ऊपर ठगी से बचाने की जिम्मेदारी है, वही इसे बढ़ाने में लगी हुई प्रतीत होती हैं जैसे सेबी, बीमा नियामक अधिकरण, आदि आदि।

आइए, हम सब मिलकर देश को इस ठग संस्कृति से बाहर निकालने में एकजुट होकर प्रयास करें ताकि देश वासियों की गाढ़ी कमाई का पैसा बर्बाद होने से बचाया जा सके। यदि ऐसा हो सका तो हमें यह नहीं कहना पड़ेगा "यह देश है ठगने वालों का........"

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रजातांत्रिक प्रधान : कुछ बातें जो भूलनी नहीं चाहिए

डॉ. रामावतार शर्मा

यदि इतिहास के उस दौर पर एक नजर डाली जाए जब अमेरिका में गृहयुद्ध हुआ, क्रांति हुई और वहां के सेनापति जॉर्ज वाशिंगटन नव उदित देश के पहले राष्ट्रपति बने, उस समय जॉर्ज वाशिंगटन एक अति प्रिय और बड़े ताकतवर नेता थे परंतु देश में प्रजातंत्र स्थापित होते ही उन्होंने अमेरिका की सेना के कमांडर इन चीफ के पद से त्यागपत्र दे दिया। उस काल के हिसाब से वे राष्ट्रपति एवं सेना प्रमुख दोनों पदों पर बने रह सकते थे परंतु फिर भी उन्होंने एक अति प्रभावशाली पद का त्याग किया जिसे देख कर उनके प्रबल विरोधी किंग जॉर्ज तृतीय ने कहा था कि वाशिंगटन ने ऐसा करके बता दिया है कि वह इस समय के महानतम व्यक्ति हैं। अपने राष्ट्रपति काल के दूसरे दौर में वाशिंगटन ने इस पद से भी त्यागपत्र दे दिया ताकि कोई व्यक्ति दो बार से अधिक अमेरिका का राष्ट्रपति नहीं बन सके, तानाशाह न बन पाए और जनता का मत ही सर्वोपरि रहे। त्यागपत्र के बारे में उनका कहना था कि यदि पद पर बने रहने के दौरान उनकी मृत्यु हो जाती है तो भविष्य में कोई अति प्रभावशाली व्यक्ति अपने आप को जीवनपर्यंत के लिए राष्ट्रपति घोषित कर सकता है। वाशिंगटन के ऐसा करने के बाद ही अमेरिका में एक व्यक्ति के लिए राष्ट्रपति पद को दो बार के लिए सीमित किया गया। वाशिंगटन बहुत ही लोकप्रिय कमांडर इन चीफ और राष्ट्रपति थे और उस समय चाहते तो आसानी से अपने आप को जीवनपर्यंत के लिए राष्ट्रपति घोषित कर सकते थे परंतु उन्होंने स्वेच्छा से पद त्याग कर जनता को सर्वोच्च रखा और अपने परिवार से कहा ;आओ, अब घर चलते हैं। ;

जॉर्ज वाशिंगटन के बाद 44 और लोग अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर आए और उन्हीं की प्रेरणा के फलस्वरूप सब ने अपने चार या आठ साल के कार्यकाल के बाद सत्ता वापिस जनता के हाथों में संभला दी, सिर्फ एक व्यक्ति के कुत्सित प्रयास को छोड़ कर और उस व्यक्ति का नाम डोनाल्ड ट्रंप है। ट्रंप अपने पिछले लोकतंत्र विरोधी प्रयास में असफल होने के बाद फिर से सत्ता को अपने हाथ में लेने को उत्सुक है परन्तु इस बार यह प्रयास जनता के हाथ से प्राप्त करने का प्रयत्न है। देखा जाता है कि हर प्रजातांत्रिक देश में जनता का एक अच्छा खासा वर्ग तानाशाही या राजतंत्र का पक्षधर होता है। चूंकि अधिकतर घरों में एक तरह का पिता केंद्रित निरंकुश तंत्र कार्य करता है तो जनता का एक बड़ा वर्ग इसी तरह की व्यवस्था देश या राज्य में चाहता है। एक राजनीतिक पार्टी या व्यक्ति के पक्ष में चलने वाली लहर इसी मानसिक सोच की तरफ इशारा करती है। लोकप्रियता वाले नारे, नस्ल या धर्म आधारित राजनीति, बदले की राजनीति और भय का निर्माण आदि किसी भी समाज में प्रजातंत्र को नष्ट करने के सर्व चलित हथियार हैं जिनका चालाक नेता लोग जम कर उपयोग करते हैं। जॉन केली डोनाल्ड ट्रंप के द्वितीय चीफ ऑफ स्टाफ रहे हैं। केली के अनुसार ट्रंप इस बात से पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं कि अमेरिका के सामान्य नागरिक की दृष्टि में अमेरिका क्या मायने रखती है, उसकी नजर में अमेरिका कैसा होना चाहिए। ट्रंप का एकमात्र उद्देश्य सत्ता पर कब्जा कर गोरे लोगों का प्रभुत्व कायम करना और सत्ता पर अपनी निरंकुशता बनाना है। देखा गया है कि जो भी लोग सत्ता प्राप्त करने के लिए पागल बने होते हैं वे प्रजातंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा होते हैं। उन लोगों के पद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, चांसलर, प्रिय नेता आदि कुछ भी हो सकते हैं, वे जनता द्वारा चुने हुए भी हो सकते हैं परंतु सत्ता को अपनी पकड में रखने का उनका स्वभाव पूरे विश्व में एक जैसा होता है और वे सभी राष्ट्रीय स्वाभिमान, धार्मिक तथा सांस्कृतिक सर्वोच्चता, नस्लवाद और किसी संभावित खतरे जैसे हथियारों का उपयोग कर सदैव के लिए सत्ता अपने पास रखने में प्रयत्नशील रहते हैं। ये लोग किसी भी स्थिति में जॉर्ज वाशिंगटन की तरह नहीं कहेंगे कि मैने मेरा सर्वोत्तम मेरे देश के लिए दे दिया है और अब समय आ गया कि वापिस घर चला जाए।

कोई भी शासक कितना ही बुद्धिमान हो परंतु वह आठ या दस वर्ष के बाद सिर्फ एक ढर्रे पर चलने लगता है। सत्ता के शिखर का अकेलापन उसमें नए विचार, नए दर्शन को विकसित नहीं होने देता है। एक परोक्ष एवं आंतरिक सत्ता संघर्ष उसकी ऊर्जा को सत्ता में बने रहने के प्रयत्नों में नष्ट करने लगता है जो उसकी सोच में नयापन नहीं आने देता। सत्ता के शिखर पर, इसलिए, किसी भी व्यक्ति को दस वर्ष के बाद नहीं बने रहना चाहिए। एक पार्टी भले ही कई साल सत्ता में बनी रहे पर उसके नेतृत्व में परिवर्तन देश और स्वयं उस पार्टी के लिए शायद एक बेहतर विकल्प होता है। जिस भी राजनीतिक ढांचे में एक ही व्यक्ति, परिवार या परंपरा का वर्चस्व बना रहता है वह ढांचा एक समय के बाद कमजोर हो कर बिखर जाता है। परंतु सत्ता का मोह ऐसा होता है कि एक व्यक्ति तो सत्ता से चिपका रहना ही चाहता है, पार्टी में भी विकल्प ढूंढने की हिम्मत नहीं होती है। भय और सत्ता प्रेम से उपजी यह मानसिकता देश में नवीनता नहीं लाने देती है और इसी के कारण हर अति प्रभावशाली देश और साम्राज्य एक समय के बाद बिखर जाता है। रोमन तथा ओटोमन साम्राज्य इसी मानसिकता के शिकार हुए थे और आज अमेरिका का घटता वैश्विक प्रभाव भी उसके आने वाले ह्रास को इंगित कर रहा है क्योंकि वहां अब अधिकतर नेता वयोवृद्ध उम्र के होने लगे हैं। दुनिया से प्रजातांत्रिक देशों के नागरिकों को भी अपने सोच में नवीनता लानी पड़ेगी वरना हर प्रजातंत्र एक भ्रष्ट तंत्र का रूप ले लेगा और परोक्ष निरंकुशता कितने ही नागरिकों से उनके जीने का अधिकार छीन लेगी। इस स्थिति का एक अन्य खतरनाक पहलू समाजों का विघटन भी है जहां छोटी मानसिकता के लोग सोशल मीडिया द्वारा जाति आधारित द्वेष फैलाने में सफल हो जाएंगे क्योंकि उनकी नजर में राजनीतिक और सामाजिक ऊंचाइयों पर चढ़ने के लिए यह सबसे आसान मार्ग है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा बाड़मेर मॉडल : मंत्री के.के.बिश्नोई

बाड़मेर, (निसं)। जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी दिव्यांगजन वंचित नहीं रहें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिव्यांगजनों के लिए कई योजनाएं लागू की है। बाड़मेर जिला प्रशासन से उसी दिशा में पहल करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं की धरातल पर क्रियान्विति का सराहनीय कार्य किया है। इसकी बदौलत दीपावली से पहले दिव्यांगजनों को खुशियों की सौगात मिली है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने सोमवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आदर्श स्टेडियम में आयोजित दिव्यांग सहायक अंग उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के.विश्नोई ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सशक्त करने की दिशा में राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की गई है। इनका लाभ राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुंच सके, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बाडमेर जिला प्रशासन की अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में बाडमेर मॉडल को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष योग्यजनों को आत्म-सम्मान के साथ

■ वेब पोर्टल की शुरूआत होने से दिव्यांग अपने घर से आनलाइन सुविधाओं का फायदा ले सकेंगे।

जीवन सशक्त करने तथा राज्य की प्रगति में योगदान करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेब पोर्टल की शुरूआत होने से दिव्यांग अपने घर से आनलाइन सुविधाओं का फायदा ले सकेंगे। उन्होंने एक ही स्थान पर समुचित जानकारी मिल सकेगी। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई, शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी, जिला कलैक्टर टीना डाबी, सभापति दिलीप माली, प्रधान रूपाराम सारण, समाजसेवी दीपक क?वासरा, रमेश शर्मा, प्रतिपक्ष नेता पृथ्वी चंडक, लक्ष्मण वडेरा, भामाशाह एवं उद्यमी किशोरसिंह कानोड, रमेशसिंह इंदा, राजूदास भील ने दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिलें एवं सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान जिला कलैक्टर टीना डाबी ने कहा कि अक्टूबर माह में बाडमेर जिला प्रशासन ने उपखंड स्तर पर दिव्यांगजन शिविरों के आयोजन करने के साथ उनको जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को किसी तरह की असुविधा नहीं हो, इसके लिए जिला स्तर से मेडिकल बोर्ड का गठन करते हुए उनको दिव्यांगजन शिविर में भेजा गया। इससे दिव्यांगजनों को खासी सहुलियत हुई। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान 7 हजार व्यक्तियों का पंजीयन करते हुए 2031 पात्र दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र अनुमोदित किए गए। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों का दिव्यांग फ्रेंडली होने संबंधित ऑडिट करवाया गया है। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने कहा कि बाडमेर मॉडल को राज्य सरकार पूरे प्रदेश में लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में द्वितीय चरण के दौरान दिव्यांगजनों को बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास किया जाएगा। नगर परिषद सभापति दिलीप माली ने कहा कि दिव्यांगजन का आत्मबल बढ़ाने एवं उनको समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। समाजसेवी रमेश शर्मा ने कहा कि आमजन दिव्यांगजन की हरसंभव मदद करने के लिए आगे आएं। उन्होंने दिव्यांगजनों को हिम्मत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम कां संचालन प्रोफेसर डॉ. मुकेश पचौरी ने किया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवणसिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्रप्रतापसिंह भाटी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मूरलीधर यादव, कृष्णसिंह राणीगांव, भगवान बारूपाल, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अनंत आर्य, विकास अधिकारी औंकारदान समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण : आदर्श स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 112 ट्राई साइकिल, 47 व्हीलचेयर, 34 श्रवण यंत्र, 138 वैशाखी एवं 27 ब्लाइंट स्टीक वितरित की गई।

दिव्यांगों के लिए विशेष पोर्टल लॉच : कार्यक्रम में बाडमेर जिला प्रशासन की ओर से दिव्यांगजनों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए वेब पोर्टल को लॉच किया गया। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि इस वेब पोर्टल से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर सुगम और सुलभ जानकारी उपलब्ध मिल सकेगी। इस पोर्टल पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, जियो टैगिंग के साथ सार्वजनिक स्थानों की सूची, विशेष रूप से उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं कानून के साथ उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में नवो बाडमेर समन्वित प्रयास सशक्त समाज अभियान के दौरान बेहतरीन कार्य करने पर सेडवा उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई, चौहटन तहसीलदार कृष्णा इंकिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्र प्रतापसिंह भाटी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दिलीपसिंह, महेन्द्रसिंह,डा.कंवराराम, डॉ.महेन्द्रसिंह, डॉ.मोहित कुमार, डॉ.भगवानसिंह ,डॉ.भानुप्रतापसिंह को सम्मानित किया गया। वही ट्राइसाइकिल वितरण करने के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई, जिला कलक्टर टीना डाबी एवं अन्य अतिथियों ने दिव्यांगजनों का माल्यार्पण किया। इस दौरान कई दिव्यांगजनों की आंखों में खुशी के आंसू झलक पडे। शिविर में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे दिव्यांगजनों ने बताया कि यह पहला मौका है जब उनका आसानी से दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी हुआ।

बीमा कंपनी को नौ फीसदी ब्याज दर से मुआवजा अदा करने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ. नूपुर भाटी ने अपने विस्तृत फैसले में यह प्रतिपादित किया है कि अधिकरण के समक्ष लिखित जवाब के विपरीत जाकर बीमा कंपनी नया तर्क पेश कर मृतक कार चालक की दुर्घटना में लापरवाही नहीं बता सकती। उन्होंने मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण जोधपुर महानगर द्वारा मुआवजे पर ब्याज दर को 6 फीसदी से बढाकर 9 फीसदी ब्याज दर से भुगतान करने का बीमा कंपनी को निर्देश दिया है।

■ वाहन दुर्घटना में कार में सवार चार व्यक्तियों की मौत हुई थी

दरअसल 8 सितम्बर 2014 को हुई वाहन दुर्घटना में कार में सवार चारों व्यक्तियों की मौत हो गई। ट्रक ट्रोला चालक की लापरवाही से हुई टक्कर से मौत की आगोश में समा गए तीन मृतक के दावेदार की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने हाइकोर्ट के समक्ष बहस करते कहा कि अधिकरण ने प्रथम सूचना रपट,चार्जशीट आदि दस्तावेज से सही निष्कर्ष निकाला कि दुर्घटना ट्रक ट्रोला चालक की गलती से हुई है।सो न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी मुआवजे के वास्ते 6 फीसदी ब्याज सहित जवाबदेह है।

अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि वर्तमान ब्याज दर को देखते हुए 9 फीसदी ब्याज दिलाया जाएं। इस पर बीमा कंपनी की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर नक्शा मौका पेश कर कहा गया कि कार चालक ने गलत दिशा में आकर सामने से आ रहे ट्रक को टक्कर मारकर दुर्घटना कारीत की है। इसलिए अपील मंजूर कर दावा खारिज किया जाएं। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ नूपुर भाटी ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अधिकरण के समक्ष बीमा कंपनी ने यह जवाब दिया कि कोहरे के कारण खड़े ट्रक ट्रोला को कार चालक ने पीछे से आकर टक्कर मारी,लेकिन हाइकोर्ट के समक्ष पेश अपील और बहस में इससे बिलकुल ही विपरीत जाकर यह तर्क कतई माने जाने योग्य नहीं है कि कार चालक ने गलत दिशा में जाकर सामने से आ रहे ट्रक ट्रोला को टक्कर मारी हो।उन्होंने कहा कि बीमा कंपनी अपने जवाब से बाधित है और उन्हें अब विरोधाभाषी तर्क की अनुमति नहीं दी सकती है। उन्होंने कहा कि दावेदारों ने प्रथम सूचना रपट और चार्जशीट से यह साबित किया है कि दुर्घटना ट्रक चालक की लापरवाही और गलती से हुई है,जबकि बीमा कंपनी ने अधिकरण के समक्ष न तो कोई गवाह पेश किया और न ही ट्रक ट्रोला चालक और मालिक को अधिकरण के समक्ष प्रतिपरीक्षण के वास्ते बुलाने का कोई प्रयास किया।उन्होंने कहा कि नक्शा मौका वैसे भी दुर्घटना के 27 घंटे बाद बना है। उन्होंने बीमा कंपनी का अपील के दौरान नक्शा मौका और फोटो को रिकॉर्ड पर लेने के आवेदन को खारिज कर दिया कि उसमें कोई समुचित कारण नहीं बताया गया है। उन्होंने एक दावेदार की ओर से मृतक के आयकर रिटर्न आकलन वर्ष 2012 -13 को मोटर वाहन अधिनियम कल्याणकारी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रिकॉर्ड पर लेते हुए अधिकरण द्वारा न्यूनतम मजदूरी के हिसाब से तय मुआवजे को वास्तविक आय के अनुरूप मुआवजा राशि निर्धारित की।

राशिफल मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 3:24 तक, ऐन्द्रयन योग प्रातः 7:48 तक, तैतिल करण दिन 10:32 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 10:32 तक है। आज बुध वृश्चिक में रात्रि 10:39 पर प्रवेश करेगा। आज भौम प्रदोष व्रत, धन तेरस, धन त्रयोदशी निमित्त सायं यम दीपदान, धनवंतरी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:25 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:34 तक, शुभ 2:57 से 4:20 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 5:43

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अतिथियों का आगमन रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 356 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्या आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास को एक और एक्सटैंशन मिलेगा

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पत्रिका ग्लोबल फाइनैंस द्वारा भारतीय मॉनिटरी पॉलिसी के लिए शक्तिकांत दास को ''ए प्लस'' रेटिंग दिए जाने से उनका दावा और मजबूत हुआ है

- दिसम्बर 2018 में तत्कालीन आर.बी.आई. गवर्नर उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफा देने के बाद, पूर्व वित्त सचिव शक्तिकांत दास को तीन साल के लिए आर.बी.आई. गवर्नर बनाया गया था, सरकार के साथ उनका कार्यकाल एकदम निर्विवादित रहा, इसलिए उन्हें 2021 में 3 साल का एक्सटैंशन दिया गया और इसी आधार पर एक और एक्सटैंशन मिलने की संभावना है।
- उनसे पहले जो दो गवर्नर थे, उर्जित पटेल और रघुराम राजन, उनके सरकार के साथ संबंध विवादों से भरे रहे थे।
- इसी बीच सरकार को तीन और महत्वपूर्ण नियुक्तियां करनी हैं। इनमें से एक है सी.ए.जी., जी.एस. मुर्मू, जिनका कार्यकाल नवम्बर में खत्म हो रहा है। उन्हें एक्सटैंशन नहीं मिल सकता, क्योंकि उनकी नियुक्ति की शर्तों में साफ लिखा है कि रिटायर होने के बाद वे ना एक्सटैंशन ले सकते हैं ना ही कोई नया पद।
- मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंता और सेबी चीफ माधवी पुरी बुच का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है पर उन्हें दोबारा मौका मिल सकता है। हालांकि, सेबी चीफ के मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष, खासकर कांग्रेस आमने-सामने है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। क्या रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) के गवर्नर को दिसम्बर में तीन वर्षों का तीसरा कार्यकाल मिलेगा? गैर विवादस्पद गवर्नर शक्तिकांत दास के पास वित्तीय क्षेत्र को बेहतरीन तरीके से संभालने तथा केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंधों के कारण शीर्ष पद पर बने रहने की सभी योग्यताएं हैं।

दास के बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड को ''ग्लोबल फाइनैंस'' पत्रिका के, 2024 सैंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड ने लगातार दूसरे वर्ष मान्यता दी है। आर.बी.आई. गवर्नर को, जटिल आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की मॉनिटरी पॉलिसी (मौद्रिक नीति) कुशलतापूर्वक संभालने के लिए रिपोर्ट कार्ड में ''ए प्लस'' रेटिंग दी गई है। यह पुरस्कार वॉशिंगटन डी.सी. में, मुख्य जिम्मेदारियों के आधार पर लगभग 100 केन्द्रीय बैंक गवर्नरों के ग्लोबल असैसमैंट (वैश्विक मूल्यांकन) के आधार पर दिया गया है।

पूर्व वित्त सचिव शक्तिकांत दास को, उर्जित पटेल के सरकार के साथ तनाव के बीच दिए गए अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद, दिसम्बर 2018 में तीन साल का पहला कार्यकाल मिला था। फिर तीन साल पहले उनको एक्स्टैंशन दिया गया था। केन्द्र सरकार के साथ उनके मजबूत व स्थिर संबंधों के कारण उनको एक और एक्सटैंशन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उनके पूर्ववर्ती, दो आर.बी.आई. गवर्नरों, उर्जित पटेल व रघुराम राजन के वित्त मंत्रालय के साथ संबंध अच्छे नहीं थे।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दास के साथ-साथ शीघ्र ही तीन और प्रमुख नियुक्तियाँ करनी होंगी। आने वाले महीनों में, केन्द्रीय सरकार को जी.एस. मुर्मू का उत्तराधिकारी नियुक्त करना होगा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी और सेबी चीफ प्र.मंत्री को ब्लैकमेल कर रहे हैं'

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। सोमवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अडानी और सेबी चीफ माधवी पुरी बुच मोदी सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं कि यदि उनपर या उनका सहयोग कर रहे किसी भी व्यक्ति पर हमला हुआ तो सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

राहुल गांधी ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर 4 मिनट 39 सेकेंड का एक वीडियो क्लिप (टीजर) पोस्ट किया। राहुल ने कहा, संस्थागत पतन ने अब भाई-भतीजावाद के अधिक खतरनाक स्वरूप अडानी

- राहुल गांधी ने यह भी कहा कि बुच अडानी के हितों की रक्षा के लिए सिस्टम में हेर-फेर कर रही है और केन्द्र सरकार चुप है।

बचाओ सिंडिकेट को जन्म दिया है। मौजूदा सरकार अब केवल एकाधिकार को बढ़ावा नहीं दे रही है, बल्कि सक्रिय रूप से देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केन्द्रित कर रही है।

उन्होंने कहा कि माधबी बुच कांड जितना सोचा गया था, उससे कहीं अधिक गहरा है। हो सकता है कि खुदरा निवेशकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही बुच अडानी के हितों की रक्षा के लिए सिस्टम में हेरफेर कर रही हों।

'एक प्रदेश में कितने सांसद हों, यह जनगणना के आकड़े निर्धारित करेंगे?

ऐसे मुद्दों पर निर्णय के लिये सरकार एक सर्वदलीय बैठक आयोजित करे

- एक और मुद्दा कांग्रेस बार-बार उठा रही है, कि क्या जनगणना में जातिगत सर्वे ही होगा। इस प्रश्न पर भी कांग्रेस सर्वदलीय बैठक में निर्णय कराना चाहती है।
- सैन्सस कमिश्नर का कार्यकाल बढ़ाने की घोषणा के बाद, यह चर्चा जोरों पर है कि शीघ्र ही सरकार सैन्सस (जनगणना) करायेगी।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। कांग्रेस ने आज बहु-प्रतीक्षित जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर प्रश्नों की बौछार की। कांग्रेस ने माँग की कि सरकार जनगणना से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय मीटिंग बुलायें।

कांग्रेस की यह माँग उन मीडिया-रिपोर्टों के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया था कि सरकार द्वारा जनगणना अगले वर्ष कराये जाने के सम्भावना है।

कांग्रेस महासचिव तथा मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''रजिस्ट्रार जनरल तथा जनगणना आयुक्त के कार्यकाल में वृद्धि की अधिसूचना अभी-अभी जारी हुई है। इसका अर्थ यह निकलता है कि अति-विलम्बित जनगणना, जो 2021 में होनी थी, आखिरकार शीघ्र ही कराई जायेगी। लेकिन दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थिति अभी भी कतई स्पष्ट नहीं है।''

रमेश ने पूछा है कि क्या ''नई जनगणना'' में अनुसूचित जातियों (एस.सी.) तथा अनुसूचित जनजातियों (एस.टी.) की गणना, जो 1951 से बाद से प्रत्येक जनगणना में की जाती रही है, के अतिरिक्त देश की सभी जातियों की विस्तृत गणना शामिल होगी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार, इस प्रकार की जातिगत जनगणना कराना संघीय सरकार का अनन्य दायित्व है।

उन्होंने पूछा, ''क्या इस जनगणना का उपयोग लोकसभा में प्रत्येक राज्य की संदस्य संख्या के निर्धारण के लिये किया जायेगा, जैसा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद में जरूरी बताया गया है (यह अनुच्छेद कहता है कि 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना तथा इसके परिणामों का प्रकाशन ऐसे किसी भी पुनर्गठन का आधार होगा ? क्या इस कार्य से उन राज्यों को नुकसान होगा, जो परिवार-नियोजन के मामले में आगे रहे हैं?'' उन्होंने कहा, ''सर्वाधिक उपयुक्त यह रहेगा कि इन दो प्रमुख मुद्दों पर स्पष्ट स्थिति लाने के लिये एक सर्वदलीय मीटिंग जल्दी ही बुलाई जाये।''

भतीजे के खिलाफ भतीजा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नामांकन बंद होने के एक दिन पहले सोमवार को, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा एन.सी.पी. प्रमुख अजित पवार ने अपना नामांकन पत्र बारामती से भर दिया तथा अब वे इस सीट पर अपने भतीजे तथा शरद पवार के पौत्र युगेन्द्र पवार (एन.सी.पी.-एस.पी. उम्मीदवार) का सामना करेंगे।

- शरद पवार के बारामती से अपने भतीजे अजित पवार के सामने उनके ही भतीजे युगेन्द्र पवार को मैदान में उतारा है।

विदित ही है कि अजित, जिन्होंने शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने के लिये पार्टी तोड़ दी थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी शिव सेना उम्मीदवार के रूप में थाने जिले की कोप्री-पचपाखाड़ी सीट से अपना नामांकन भर दिया है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रतिद्वंदी शरद पवार ने सोमवार को कहा कि महविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) महाराष्ट्र में जन-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नड्डा और मैं भाई हैं, क्योंकि, एक ही ''आइलियोलॉजिकल परिवार'' के सदस्य हैं'

आर.एस.एस. के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में आयोजित संघ के कार्यकारी मण्डल की बैठक के बाद प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा

- होसबाले ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि भाजपाध्यक्ष जे.पी. नड्डा व आर.एस.एस. के बीच मतभेद की बात को कपोल कल्पित है, उन्होंने यह भी कहा कि नड्डा की लोकसभा चुनाव के पहले दी गई बहुचर्चित टिप्पणी के बाद, लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद वे नड्डा के घर गये थे तथा भोजन किया था।
- होसबाले ने यह भी कहा कि आर.एस.एस. योगी आदित्यनाथ के नारे का समर्थन करती है कि ''हिन्दू बंटेंगे, तो कटेंगे।''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने हिन्दू एकता के महत्व पर जोर देते हुए, भाजपा के साथ किसी प्रकार मतभेद न होने की फिर से पुष्टि की। वे मथुरा के परखन गाँव में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपने वक्तव्य में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के नारे ''बँटेंगे तो कटेंगे'' का समर्थन किया, उन्होंने जोर देते हुए, इस नारे को एकता का आव्हान बताया।

होसबाले ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ अपने सम्बन्ध का जिक्र करते हुए, उन्हें समान वैचारिक परिवार का अपना भाई बताया।

भाजपा अध्यक्ष के साथ किसी प्रकार की दरार का खंडन करते हुए, होसबाले ने कहा कि चुनाव तथा अन्य मामलों में संघ से पार्टी की स्वतन्त्रता के बारे में आम चुनावों से पहले की भाजपा अध्यक्ष की टिप्पणी के बाद तो उन्होंने नड्डा के निवास पर भोजन किया था। उन्होंने कहा कि उस समय तक लोकसभा चुनाव समाप्त हो गए थे।

मथुरा में संघ के कार्यकारी मंडल (केन्द्रीय कार्यकारी) की मीटिंग के अन्तिम दिन, होसबाले कई मुद्दों पर बोले थे। इनमें ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म के नियमन, न कि नियन्त्रण, की आवश्यकता भी शामिल थी। उन्होंने कहा था कि इसके लिये फिल्म सेंसर बोर्ड जैसी कोई व्यवस्था की जा सकती है।

योगी आदित्यनाथ के ''बँटेंगे तो कटेंगे'' नारे के बारे में पूछे गये एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, होसबाले ने हिन्दू एकता के रेखांकित संदेश तथा जाति, रंग या मतों पर आधारित विभाजन के खतरे विस्तार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका ने वायनाड में मदर टैरेसा से मुलाकात का किस्सा सुनाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। वायनाड में अपने चुनाव प्रचार के पहले दिन प्रियंका गांधी ने मदर टैरेसा के साथ अपनी एक मुलाकात का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि उनके पिता राजीव गांधी हत्या के कुछ माह बाद मदर टैरेसा उनके घर आई थी। मदर ने प्रियंका

- प्रियंका ने बताया कि उनके पिता की हत्या के कुछ माह बाद मदर टैरेसा उनके घर आईं थीं और उन्हें दीन दुखियों के लिए काम करने की प्रेरणा दी थी।

से कहा था कि वे दीन दुखियारों के लिए काम करें। इसके बाद प्रियंका ने मदर टैरेसा के संगठन में जाकर काम किया।

प्रियंका ने बताया, उस समय मैं 17 साल की थी। मेरे पिता का निधन हुए 6-7 माह ही हुए थे। मुझे बुखार था तो मैं कमरे से बाहर नहीं निकली। फिर वो खुद मेरे कमरे में आई। अपना हाथ मेरे माथे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में बड़ी समानता है ''परिवारवाद''

परिवारवाद को लेकर कांग्रेस की आलोचना करने वाली भाजपा भी इससे अछूती नहीं है

- झारखंड में भाजपा ने अर्जुन मुंडा की पत्नी, चंपई सोरेन के बेटे, रघुवर दास की पुत्रवधु सहित कई नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिए हैं।

-श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। महाराष्ट्र एवं झारखंड के आसन्न विधानसभा चुनावों में एक बात समान है, वो है परिवारवाद। सभी राजनैतिक दलों ने इन चुनावों में अच्छी खासी संख्या में राजनैतिक उत्तराधिकारी खड़े किए हैं। भाजपा, जो परिवारवादी राजनीति के खिलाफ अक्सर शोर मचाती रहती है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र चुनाव की खींचतान में कांग्रेस ने भाजपा व मोदी सरकार पर नया आरोप लगाया

कांग्रेस ने कहा, मोदी सरकार महाराष्ट्र के हितों की बलि दे रही है और प्र.मंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में लगने वाले कई उद्योग व सैंटर गुजरात भेज दिए हैं

- कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में जिस टाटा एयरबस सी-295 फैसिलिटी का उद्घाटन किया है वह नागपुर में लगने वाली थी।
- कांग्रेस ने कहा, इससे पहले वेदांत फॉक्सकॉन चिप फैक्टरी, इंटरनैशनल फायनैंशियल सर्विसेज़ सैंटर, डायमंड ट्रेड सैंटर, ड्रग पार्क भी महाराष्ट्र से छीनकर गुजरात भेज दिए गए।
- महाराष्ट्र के महत्व को देखते हुए विधानसभा चुनावों में भारी तनाव है, यहाँ हरेक दल आरोपों की राजनीति कर रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि टाटा एयरबस सी-295 के जिस निर्माण संयंत्र का वडोदरा में उद्घाटन हुआ है वो पहले नागपुर में लगने वाला था और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर केन्द्र सरकार और महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने महाराष्ट्र के हितों को दरकिनार कर दिया। कांग्रेस महासचिव और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की जनता प्रधानमंत्री व उनके सहयोगियों को इस धोखे का माकूल जवाब देगी।

प्रधानमंत्री मोदी व स्पेन के प्रधानमंत्री पैड्रो सांचेज़ द्वारा टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड-एयरबस फैसिलिटी का उद्घाटन किया गया, जिसमें सी-295 सैन्य विमान बनाए जाएंगे। इस उद्घाटन के बाद कांग्रेस ने यह आरोप लगाया। टाटा एयरबस फैसिलिट प्राइवेट सैक्टर का पहला संयंत्र है, जहाँ सैन्य विमान एसैम्बल किए जाएंगे।

रमेश ने कहा, आज नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने वडोदरा में टाटा-एयरबस सी-295 एयरक्राफ्ट फैसिलिटी जारी कर उद्घाटन किया। यह वही प्रोजैक्ट है जो नागपुर में लगने वाला था, लेकिन 2022 में विधानसभा चुनाव से पहले उसे गुजरात भेज दिया गया।

रमेश ने कहा, यह एकमात्र घटना नहीं है। नॉन बायोलॉज़िकल प्रधानमंत्री के निर्देश पर केन्द्र सरकार और महायुति सरकार ने साजिश रच के महाराष्ट्र के हितों की तिलांजलि दे दी है।

पूर्व की घटनाओं को उदाहरण देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा इन्टरनैशनल फाइनैंशियल सर्विसेज़ सैंटर भी गुजरात में लगाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मुम्बई में यह सैंटर लगाने के प्रयास शुरु किये थे। बांद्रा कुर्ला परिसर में आई.एफ.एस.सी. के लिए अलग से जमीन रख दी गई थी, पर उस प्रयास को भारी हानि पहुंचाई गई। इससे मुम्बई को दो लाख नौकरियों का नुकसान हुआ।

रमेश ने कहा कि भारत के डायमंड उद्योग को विकसित करने के लिए मुम्बई और सूरत ने कई दशकों से साथ मिलकर काम किया है। सूरत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

924 किलो आतिशबाजी जब्त, दो व्यापारी गिरफ्तार

शिकायतों के आधार पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की

अलवर। एनसीआर क्षेत्र में पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद खैरथल-तिजारा जिले के किशनगढ़बास में खुलेआम पटाखों की बिक्री की जा रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखा व्यापारियों पर शिकंजा कसा। टीम ने दो दुकानों पर छापा मारकर 924 किलो पटाखों की खेप बरामद की और दो व्यापारियों को गिरफ्तार किया।

उपखंड अधिकारी मनीष कुमार जाटव ने बताया कि प्रशासन को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि किशनगढ़बास के वशिष्ठ मार्केट में अवैध पटाखों की बिक्री हो रही है। इस पर पुलिस और प्रशासन ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए एक संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया। एसडीएम मनीष कुमार जाटव, तहसीलदार नरेंद्र भाटिया, थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह शेखावत और एएसआई ज्ञानचंद की टीम ने रविवार को अभियान चलाया,

किशनगढ़बास में खुलेआम पटाखों की बिक्री पर पुलिस ने दबिश दी।

जिससे व्यापारियों को आतिशबाजी छिपाने का मौका नहीं मिला।

छापेमारी के दौरान, पुलिस ने किशनगढ़बास निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू और बम्बोरा गांव के निवासी मनोज धीवर को गिरफ्तार किया। जितेंद्र के कब्जे से 32 किलो 200 ग्राम और मनोज धीवर के पास से 892 किलो पटाखे बरामद किए गए। किशनगढ़बास के वशिष्ठ मार्केट में बने इन गोदामों में भारी मात्रा में पटाखे रखे गए थे, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा थे। अधिकारियों का मानना है कि यह खेप दीवाली के त्योहार पर बेचने के उद्देश्य से जमा की गई थी।

थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह कार्रवाई रविवार दोपहर 3 बजे से देर रात 9 बजे तक चली। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन अब इलाके में अवैध पटाखा व्यापार की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी रखेंगे। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के पटाखा व्यापारियों में हडकंप मच गया है। प्रशासन की इस कड़ी कार्रवाई ने न केवल स्थानीय नागरिकों को राहत दी है, बल्कि अवैध व्यापार में लिप्त अन्य लोगों के लिए भी यह एक सख्त चेतावनी है कि कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निगम में कार्यरत जेएलओ राधिका बंसल राज्य में टॉपर

बीकानेर। राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विस (आरजेएस)- 2024 भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी हो गया है। जिसमें कुल 222 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। टॉप 10 में से 9 स्थान पर लड़कियों ने बाजी मारी है। बीकानेर संभाग की राधिका बंसल ने जनरल कैटेगरी में राज्य में टॉप किया है। राधिका वर्तमान में बीकानेर नगर निगम कार्यालय में कनिष्ठ विधि अधिकारी (जेएलओ) के पद पर कार्यरत हैं। राधिका ने 300 नंबरों के पेपर में 188 अंक हासिल कर नंबर वन रैंक प्राप्त की है। आरजेएस परीक्षा में बीकानेर का दबदबा रहा है।

बीकानेर से करीब 12 से अधिक अभ्यर्थियों का इस परीक्षा में चयन हुआ है। राजकीय विधि महाविद्यालय बीकानेर के सात अभ्यर्थियों का आरजेएस 2024 परीक्षा में चयन हुआ है। जिसमें छः छात्राएं हैं। राजकीय विधि कॉलेज की छात्रा शैली आचार्य ने 66वीं और रेनू बाला ने 68वीं रैंक हासिल की है। जबकि मोनिका राजपुरोहित ने 71वीं, महिमा ने 91वीं, प्रियंका सोलंकी ने 108वीं, ओमप्रकाश राईका ने 197, ऋचा जाटव ने 213वीं रैंक हासिल कर बीकानेर का नाम रोशन किया है। इसके अलावा बीकानेर की ही देवयानी शर्मा ने पहले प्रयास में 26 वीं रैंक हासिल की है। पाली में रहने वाली बीकानेर मूल की लवली सुराणा का भी आरसीएस परीक्षा में चयन हुआ है। जज का बेटा आदित्य व्यास भी बना जज बीकानेर मूल के आदित्य व्यास का प्रथम प्रयास में 47 रैंक पर आरजेएस में चयन हुआ है। आदित्य के पिता उमाशंकर व्यास वर्तमान में राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में न्यायाधिपति के पद पर कार्यरत है वहीं उनकी मां नंदनी व्यास जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर मेट्रो के पद पर कार्यरत है। आदित्य की बहन सोनल एवं जीजा पुरुषोत्तम भी वर्तमान में अलवर में सिविल न्यायाधीश के पद पर कार्यरत है।

आरजेएस परीक्षा में टॉप रैंक हासिल करने वाली राधिका बंसल ने 'भास्कर' से कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। यदि आपको सफल होना है तो पढ़ाई को पूरा समय देना होगा। बीकानेर संभाग के हनुमानगढ़ जिले में रहने वाली राधिका ने तीन महीने पहले ही नगर निगम बीकानेर कार्यालय में जेएलओ के पद पर कार्य ग्रहण किया था। राधिका ने बताया कि आरजेएस बनना उनका पहला सपना था। जिसे लगातार कठिन परिश्रम और अध्ययन से उन्होंने हासिल किया है।

अवैध शराब के 388 कार्टन बरामद

गुडामालानी, (निसं)। बाडमेर जिला पुलिस अधीक्षक के द्वारा चलाए जा रहे अवैध तस्करी रोकथाम अभियान के तहत एवं गुडामालानी पुलिस उपाधीक्षक सुखाराम विश्नोई के निर्देश पर क्षेत्र के रागेश्वरी पुलिस थाना नगर ने डीएसटी टीम के संयुक्त नाकाबंदी कर कार्यवाही करते हुए टैंकर से अवैध शराब के 388 कार्टन बरामद करने के साथ टैंकर चालक को गिरफ्तार किया। नगर थाना प्रभारी आदेश कुमार यादव ने बताया कि मुखबिर की सुचना पर नगर आरजीटी पुलिस एवं डीएसटी टीम ने नाकाबंदी करते हुए जोधपुर कि तरफ से आ रहे एक टैंकर को रुकवाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान टैंकर के अन्दर रखें अवैध अंग्रेजी शराब के 388 कार्टन बरामद किए।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)

क्रमांक :- विकास/2024-25/1855 दिनांक :- 25/10/2024

निविदा सूचना संख्या 12/2024-25 NIB Code DLB2425A3586

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में "ए" व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.in** व **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2425WSOB11266, 11267, 11268, 11269, 11271 है।

आयुक्त
नगर परिषद जैसलमेर

राज.संवाद/सी/24/7044

अवैध डोडा-पोस्त सहित एक आरोपी गिरपतार

पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त के साथ एक आरोपी को गिरपतार किया।

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध सप्ताह की लगातार तीसरी बडी कार्यवाही की। ऑपरेशन भौकाल के दौरान तस्करों के खिलाफ कार्यवाही कर 679.655 किलोग्राम डोडा पोस्त (कीमतन करीब 50 लाख रूपये) सहित परिवहन में प्रयुक्त प्राईवेट एम्बुलेन्स वाहन को जब्त किया। डोडा पोस्त तस्कर भोमाराम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि प्राइवेट एम्बुलेंस वाहन में 33 काले रंग के प्लास्टिक कट्टों में भरे कुल 679.655 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जिसकी कुल कीमत 50 लाख रूपए आंकी गई है, को बरामद कर मादक पदार्थ तस्कर भोमाराम जाट को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

ज्ञात रहे कि 27.10.2024 को भंवरलाल उनि. थानाधिकारी बायतु मय जाब्ता द्वारा मुखबीर सुचना अनुसार पुलिस थाना बायतु के आगे बैरियर लगाकर नाकाबन्दी की जा रही थी। दौराने नाकाबन्दी नेशनल हाईवे से जोधपुर की तरफ से आ रही एक एम्बुलेंस वाहन को संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम द्वारा रूकवाने का प्रयास किया तो एम्बुलेंस चालक द्वारा नजदीक आने पर पुलिस नाकाबन्दी को देखकर एम्बुलेन्स की बत्ती व सायरन को चालु कर पुलिस जाब्ता को जान से मारने की नियत से बैरिकेट को टक्कर मारकर हवा में उडा दिया, बैरियर एम्बुलेन्स के मैन शीशे पर गिरने से शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस जाब्ता द्वारा अपनी सूझबूझ व सजगता से अपना बचाव करते हुए एम्बुलेन्स चालक नाकाबन्दी तोडकर भागने पर जिसका निरन्तर सरकारी वाहनों से पीछा कर सरहद कोसरिया में एम्बुलेंस को रुकवाया तो एम्बुलेंस में सवार चालक व खलासी एम्बुलेंस को छोडकर भागने लगे जिस पर चालक भोमाराम पुत्र रूखाराम जाति जाट उम्र 29 साल निवासी जाखडो की ढाणी, सनावडा पुलिस थाना सदर जिला बाडमेर को दस्तयाब किया गया। एम्बुलेंस में अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ होना बताया। एम्बुलेंस में 33 काले रंग के प्लास्टिक कट्टों में भरे कुल 679.655 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त सहित तस्करी में प्रयुक्त वाहन एम्बुलेंस को बरामद किया।

फायरिंग करने का मुख्य आरोपी पकड़ा

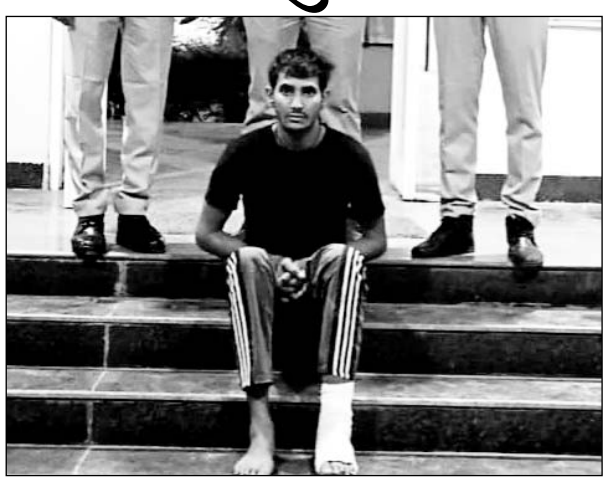

राजगढ़ में फायरिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

राजगढ़। अलवर मार्ग पर रेलवे अंडरपास गेट नंबर 138 के पास 24 अक्टूबर को रात्रि लोहा व्यापारी की कार पर फायरिंग कर जान से मारने व लूटपाट के इरादे को लेकर फायरिंग के शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शातिर आरोपी महुआ थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

गिरफ्तार आरोपी भगवान सहाय मीणा उर्फ काडू 27 वर्ष पुत्र दिलीप सिंह निवासी महुआ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शातिर बदमाश के विरुद्ध खेड़ली, मंडावर, जयपुर, भुसावर, अलवर सहित अन्य था नों में 26 गंभीर मामले दर्ज हैं। एडिशनल एसपी प्रियंका ने बताया कि महानिरीक्षक अजय पाल लांबा एवं संजीव नेन जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उप अधीक्षक मनीषा मीणा की मार्गदर्शन में वारदात के बाद टीमों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लाते समय टॉयलेट के बहाने फरार होने का असफल प्रयास किया, इस दौरान पहाड़ी पर भागते समय उसके पैरों में चोट आई। आरोपी गैंग का सरगना है जिसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। विदित रहे कि लोहा व्यापारी हरिशंकर गुप्ता निवासी राजगढ़ एवं चालक महेंद्र मीणा को गोदाम से आते समय बदमाशों ने कार पर फायरिंग की एवं व्यापारी को जान से मारने को लेकर चलाई गोली चालक के लग गई।

■ जान से मारने व लूटपाट के इरादे से की थी फायरिंग

इसमें चालक महेंद्र मीणा को गंभीर हालत में राजगढ़ से अलवर रैफर कर दिया।इसमें साइबर सेल एवं आने तकनीकी अनुसंधान की कुशलकार्मिकों की टीम बनाई गई,इसके बाद आरोपी को पकड़ने मेंकामयाबी मिली।इस टीम में थानागाजी एवं लक्ष्मणगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक एवं अन्य दर्जन पर अधिकारी कर्मचारी ने कडी मसस्कत की। सुंदर सोमवार को आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे रिमाड पर भेज दिया।

कार्यालय नगर परिषद, केकड़ी - राजस्थान

Email ID - npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : नपके/मानव संसाधन/2024-25/2693 दिनांक : 23.10.2024

-: ई निविदा सूचना (11/2024-25) (NIB No. DLB2425A3598) :-

एतत् द्वारा है कि नगरपालिका परिसर केकडी में पंजीकृत पंजीकृत एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। निविदा के कुल कार्य - 5 (पांच)

UBN NO. - 1. DLB2425WSOB11288 , 2. DLB2425WSOB11289, 3. DLB2425WSOB11290, 4. DLB2425WSOB11291, 5. DLB2425WSOB11292

सभापति
नगर परिषद केकड़ी

आयुक्त
नगर परिषद केकड़ी

राज.संवाद/सी/24/7087

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड - 306401)

(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in, वेब-साईट : www.mcpali.com)

क्रमांक : प.12 ( ) विकास/2024/08 दिनांक : 24.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25

नगर निगम, पाली की ओर से स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम, पाली से पंजीकृत या अन्य विभागों में 'ए' अथवा "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से 08 कार्यों की (अनुमानित लागत रु. 49.94 लाख) ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 25.10.2024 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 05.10.2024 को सांय 6.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाऐं जमा करा सकते हैं। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **https://eproc.rajasthan.gov.in** से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। उक्त 08 कार्यों के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

DLB2425WSOB11173 DLB2425WSOB11175 DLB2425WSOB11177 DLB2425WSOB11179 DLB2425WSOB11180 DLB2425WSOB11182 DLB2425WSOB11183 DLB2425WSOB11184

आयुक्त
नगर निगम, पाली

राज.संवाद/सी/24/7108

डीएलएड पूरक परीक्षा की तिथियों में बदलाव

बीकानेर। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से 25 अक्टूबर से शुरू हुई डीएलएड पूरक परीक्षा- 2023 की तिथियों में बदलाव किया गया है। दीपावली पर्व के कारण 29 अक्टूबर और 30 अक्टूबर को आयोजित होने वाली सैद्धांतिक एवं क्रियात्मक पूरक परीक्षा अब 5 नवंबर 6 नवंबर को आयोजित की जाएगी। शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर के पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने इस संबंध में संशोधित आदेश जारी किए हैं। विदित रहे कि पूर्व में पूरक परिचय 30 अक्टूबर तक आयोजित होनी थी। लेकिन अब परीक्षाओं का समापन 6 नवंबर को होगा। परीक्षा की तिथियों में संशोधन किया गया है।

बायोपार्क के रेस्क्यू सेंटर में इलाज के दौरान दो पैंथर की मौत

उदयपुर, (का.सं.)। आदमखोर पैंथर के खौफ से चर्चा में आये उदयपुर में पिछले 20 दिनों में 4 पैंथर की मौत भी हो चुकी है। दो पैंथर इलाज के दौरान रेस्कयू सेंटर पर मर गए। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक पैंथर को गोली मारी गई। वहीं एक पैंथर को लोगों ने मार दिया।

उदयपुर के गोगुंदा और झाड़ोल में पैंथर10 लोगों का शिकार कर चुका है। वहीं 20 दिनों में चार पैंथर की भी मौत हो चुकी है। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक पेंथर को गोली मारी गई। वहीं एक पेंथर को लोगों ने मार दिया। दो पैंथर इलाज के दौरान रेस्कयू सेंटर पर मर गए। दरअसल गोगुंदा और झाड़ोल में पैंथर द्वारा लगातार हमले के बाद वन विभाग ने बाहर से टीमें बुलाकर गोगुंदा और बड़गांव से सटे जंगलों में डेरा डाल दिया था।इस दौरान 10 लोगों का शिकार करने के बाद विभाग ने पैंथर को गोली मारने का भी आदेश दिया था।

उदयपुर के वाइल्ड लाइफ विंग के डीएफओ डीके तिवारी ने बताया कि सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वन विभाग का रेस्क्यू सेंटर है। सेंटर में आसपास के जिलों के प्रादेशिक वन मंडलों में कोई भी पैंथर घायल या बीमार हो तो उसे लाया जाता है। यहां डॉक्टर उनका इलाज करते है। उनका कहना है। घायल दोनों पैंथर की इलाज के दौरान ही मौत हो गई। उनकी मौत के बाद सरकारी नियमों के अनुसार उनका पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया। पूरी जानकारी भी आला अधिकारियों को भेजी जाती है।

इधर वन विभाग की टीम उदयपुर के पास लखावली गांव के पास से 21 अक्टूबर को पिंजरे में आए पैंथर को लेकर आए थे। 22 अक्टूबर की सुबह वह बायोलॉजिकल पार्क से पैंथर पिंजरे से भाग गया। वन विभाग ने वहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया और पूरा बायो पार्क छान मारा लेकिन पेंथर कहीं नहीं दिखा और बायोपार्क में टूरिस्ट का प्रवेश बंद कर दिया था। वन विभाग को जब यह लगा कि पेंथर बायोपार्क में नहीं दिखा तो उसके बाद शनिवार को बायो पार्क टूरिस्ट के लिए खोला था। विभाग ने अब अंदेशा जताया कि पेंथर यहां नहीं दिखा तो अब वह सज्जनगढ़ अभयारण्य एरिया में चली गई है।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (ERCC XV)/2024/ई-8881

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-ERCC(XV/2024)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 12 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद) IAS
निदेशक

DIPR/C/10544/2024

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Tel. No. 02904-252039 E-mail Id-EODEOGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN

S.No. F ( )/MBD/Engg./E-NIB/11/2024-25/2237 Date :- 25.10.2024

Notice Inviting BID

NIB No 11/2024-25

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यो हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट **www.sppp.raj.nic.in or http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2425A3578

UBN No :- DLB2425WSOB11260

महत्वपूर्ण तिथिया

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	01
निविदा की अनुमानित लागत	15.00 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	28.10.2024 04:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	28.10.2024 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	12.11.2024 06:00 PM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	13.11.2024 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	13.11.2024 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in

अध्यक्ष
नगर पालिका देवगढ़

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका देवगढ़

राज.संवाद/सी/24/7058

वेदी को लेकर मंदिर में ही लड़ने लगे जैन समाज के दो पक्ष

मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच लात-घुंसे चले, जमकर हाथापाई भी हुई, मामला थाने पहुंचा

कोटा, (निसं)। अहिंसा का अनुसरण करने वाले ही अगर मारपीट पर उस जगह पर उतारू हो जाए जहां पर अहिंसा के प्रवचन दिए जाते हैं तो मुद्दा काफी गंभीर हो जाता है। कुंडी रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित जैन मंदिर ऐसा नजारा रविवार की रात देखने को मिला। जहां पुरानी वेदी तोड़ने को लेकर विवाद गहरा गया। मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच लात-घुंसे चले, जमकर हाथापाई भी हुई। मामला इतना गहराया की थाने पहुंच गया।

दोनों पक्षों की तरफ से थाने पर शिकायत दी गई है। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। रविवार देर रात तक पुलिस बल पर मंदिर पर तैनात रहा। कुन्हाड़ी थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित जैन मंदिर में पुरानी वेदी को हटाने को लेकर मंदिर ट्रस्ट और समिति के बीच में विवाद हुआ था। दोनों पक्ष के बीच मारपीट की शिकायत आई है। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।

मंदिर ट्रस्टी राजकुमार सबदरा और अशोक हरसोरा ने शिकायत दी है कि मंदिर का शिलान्यास 2003 में हुआ और विधि-विधान से बनाया गया था। पूर्व से ही मामला वेदी को लेकर गहराया हुआ है। उसके बाद भी गुरु सेवा संघ ने मंदिर ट्रस्ट और समाजजनों की बिना सहमति के मंदिर की पुरानी वेदी को

मारपीट होने पर दोनों पक्षों की तरफ से थाने पर शिकायत दी गई है।

तोड़ना शुरू कर दिया। सूचना पर समाज के लोगों ने पहुंचकर विरोध किया तो उनके साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई। सचिन गोहिल, संदीप जैन, रोमिल जैन, प्रियंका जैन, अलका जैन और रोशन जैन तथा लाभचंद जैन घायल हुए हैं। वहीं समिति के पारस बज का कहना है कि समाज के अधिकतर लोग उनके पक्ष में हैं। मंदिर में बिना किसी तोड़फोड़ के ग्रेनाइट के ऊपर ही चांदी की वेदी लगाई जा रही है। पूर्व में जो काम हुए हैं उसे देखा जाए तो वेदी के नीचे जो स्थान है वह पूरी तरीके से पोला है।

मंदिर पर एक दो परिवार अपना एकाधिकार समझते हैं वे लोग ही ऐसा विवाद खड़ा कर रहे हैं। वही इस विवाद पर नजर रखने वाले समाज के व्यक्ति का कहना है कि समाज का आपसी विवाद बाहर आना समाज के लिए अच्छी बात नहीं है। समाज के सुनील जैन का कहना है कि जब से मंदिर स्थापित हुआ है सब कुछ अच्छा हो रहा है ऐसे में वेदी के साथ छेड़छाड़ करना उचित प्रतीत नहीं होता। ऊपर प्रतिमा स्थापित की जा रही है तो वहीं पर चांदी की वेदी भी बना दी जाएँ। कई बार महाराज श्री से भी इस विवाद में बीच का रास्ता निकालने के लिए प्रार्थना की जा चुकी है। परंतु ऐसा नहीं हो पाया और अब विवाद खुलकर लोगों के सामने आ गया है जो किसी भी स्थिति में समाज के लिए ठीक नहीं है। वहीं कोटा के रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में 27 अक्टूबर 2024 को श्रुत समाधान कार्यक्रम के दौरान हंगामे की घटना से सकल जैन समाज में रोष हैं। नदी पार सकल दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारियों ने हजारों की संख्या में एकत्रित होकर मौन जुलूस निकाला और अपना रोष प्रकट किया।

मंदिर अध्यक्ष राजेन्द्र गोधा ने बताया कि दोपहर 2.30 बजे जैन समाज हजारों लोग रिद्धि-सिद्धि जैन मंदिर में एकत्रित होकर, हाथों पर काली पट्टी बांध कर, कतारबद्ध होते हुए मंदिर से कुन्हाडी थाने पहुंचे और गुरूदेव संत आदित्य सागर महाराज से अभद्रता के खिलाफ ज्ञापन सौपकर शीघ्र कार्रवाही की मांग की। सचिव पंकज खटोड़ ने बताया कि जूलूस में बच्चों से लेकर महिलाएं, बुजुर्ग, युवा व जैन समाज के हजारों लोग शामिल रहे। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष टीकम पाटनी व मंत्री पारस बज आदित्य ने बताया कि जैन समाज के प्रतिष्ठित संत आदित्य सागर महाराज की आरती के समय रविवार सांय कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मंच पर बैठे महाराज पिच्छी, कमण्डल छीनने की कोशिश और अपशब्द कहे। इस घटना के समय मंदिर में उपस्थित समाज के लोगों और महिलाओं ने इन व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बावजूद उन्होंने समाज के लोगों के साथ धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि ट्रस्टी राजकुमार सबदरा और उनके साथियों द्वारा यह उपद्रव किया गया।

जैन समाज के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में प्रशासन से मांग की है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और भविष्य में धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पारस बज आदित्य, संजय व पारस लुहाडियो ने बताया कि ज्ञापन में ट्रस्टी राजकुमार सबदरा, सुरेश गोहिल्या, अशोक टंच, लाभचंद सोगानी तथा राजकुमार सबदरा के पुत्र अनिकेट सबदरा व सुरेश गोहिल्या का पुत्र सचिन गोहिल्य, रोमिल जैन पर कठोर कार्यवाही की मांग कही है। ज्ञापन सौपते समय जिनेन्द्र, टीकम चंद पाटनी, मंत्री पारस बज आदित्य, कोषाध्यक्ष निर्मल अजमेरा, राजेन्द्र गोधा, सचिव पंकज खटोड़, कोषाध्यक्ष ताराचंद बडला, पारस लुहाड़िया, राजकुमार पाटनी, संजय लुहाड़िया, पारस कासलीवाल, विनोद सारसोप, पुष्प लुहाड़िया, राजकुमार पाटनी, दीपक नान्ता, पीयूष बज, दीपांशु जैन, राजकुमार बाकलीवाल, जम्बू बज, महेंद्र गोधा, पदम बाकलीवाल, अशोक पापड़ीवाल सहित हजारों महिला व पुरूष भारी संख्या में कुन्हाड़ी पुलिस थाने पर एकत्रित हुऐं।

जैन समाज के चतुर्मास समिति और श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर समिति और कुन्हाडी सकल जैन समाज के लोगों ने मिलकर थाना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की। समाज ने यह भी अनुरोध किया कि महाराज के चतुर्मास और आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के आयोजन में बाधा उत्पन्न करने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को सख्ती से रोका जाए। मौन जुलूस में बच्चों से लेकर बुजुर्गो ने उपस्थित होकर गुरू के अपमान का असहनीय बताया। संजय लुहाड़िया ने मंदिर परिसर में अनशन पर बैठकर न्याय की मांग कर रहे है। समिति का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता

सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-सपोटरा

क्रमांक-3018-26 दिनांक- 22.10.2024

निविदा सूचना संख्या-12/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों/फर्मों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। अल्पकालीन निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	UBN NO.	NIB NO.
1	Consulatancy Work for Prepartion of Detailed Project Report (DPR) For Construction of High level Bridge on Salampur to Baloti-Dabra-Shekhpura-Gothra-Varwasan Devi-Naroli-Kaladevi Road at Varwasan Devi With SBC Tests, Hydraulic Design and Drawing and DPR of 5.50 Mt Wide Road (30.00Km) With Hydraulic Design and Drawing of CD Works including Forest Clearance.	PWD2425SLOB08731	WD2425A2368

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सपोटरा

DIPR/C/10509/2024

लोहे की रॉड से जानलेवा हमला करने के 3 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने घटना के 14 दिन बाद आरोपियों को दबोचा

सादुलपुर, (निसं)। हरियाणा सीमा के निकट तहसील के गांव खैरू बडी चौराहे पर जीप को जीप से टक्कर मारने तथा तथा लोहे की रॉड से ताबडतोड जानलेवा हमला करने के मामले में फरार तीन आरोपियों को हमीरवास पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना 14 दिनों बाद फरार तीन आरोपियों को दबोचने में सफलता प्राप्त की है।

थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि रणधीर सिंह जाट उम्र 44 साल निवासी खैरू बडी तहसील राजगढ ने मामला दर्ज करवाकर कर बताया कि दिनांक 14 अक्टूबर 2०24 को करीब सुबह ०8 बजे उसका भाई अमीर सिंह तथा चाचा का लडका नरेश तथा उसकी दुकान में काम करने वाले मनीराम तथा गांव का ही धर्मपाल जांगिड आदि जीप डीआई में सवार होकर बहल हरियाणा में स्थित अपनी दुकान पर जा रहे थे। गांव से निकलकर शिव मंदिर के पास चौराहे पर पहुंचे तो वहां पहले से घात लगाकर एक पिकअप बिना बॉडी

हरियाणा सीमा के पास गांव खैरू बडी चौराहे पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार 3 आरोपियों गिरफ्तार किया।

बिना नंबरी काले शीशे रंग सफेद ओर आगे पीछे बंपर लगा हुआ खडी थी। जिसके चालक ने अपनी पिकअप जीप से उसकी जीप को सीधे टक्कर मारी। तथा उनकी जीप से दो लडके हाथों में लोहे की रॉड लिए उतरे तथा एक रॉड पहले से नीचे खडे लडके को भी दे दी। फिर पिकअप जीप में बैठा चालक ने अपनी पिकअप जीप से उसकी जीप को लगातार टक्कर मारने लगा। तथा तीनों लडकों ने रॉड से ताबडतोड जानलेवा हमला करने लगे तथा शोर शराबा करने पर आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तथा मामला गंभीर प्रकृति का होने के कारण हर संभावित जगहों पर पुलिस ने दबिश दी। हर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। तथा प्रकरण में शामिल आरोपी विजेंद्र उर्फ पिंकू पुत्र ओमप्रकाश मेघवाल उम्र 34 साल निवासी सोरडा जदीद थानां बहल जिला भिवानी हरियाणा, तथा तुषार उर्फ लाला पुत्र योगीराज जाट उम्र 21 साल तथा गौरव उर्फ खट्टर पुत्र राधेश्याम नायक उम्र 21 साल निवासी बिशनपुरा पुलिस थाना पिलानी जिला झुंझुनू को गिरफ्तार किया गया तथा पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

यात्री विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां देने के 4 मामले दर्ज

जोधपुर, (कासं)। देश भर में असामाजिक तत्वों की ओर से हवाई जहाज को उड़ाने की धमकियों के बीच जोधपुर में भी आने वाली और जाने वाली फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकियां देना अब आम बात हो गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अब चार अलग अलग प्रकरण पुलिस में दर्ज करवाए है। जिस बारे में पुलिस निरीक्षक हनुमानसिंह की तरफ से तफ्तीश की रही है। सिविल एयरपोर्ट जोधपुर के मैनेजर नरेन्द्र सिंह बांकावात ने पुलिस को बताया कि 20 अक्टूबर को दोपहर सवा एक बजे अज्ञात व्यक्ति ने एक्स हैंड पर पुणे से जोधुपर आने वाली इंडिगो फ्लाइट नम्बर 6 ई 133 को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। इसी तरह 22 अक्टूबर को दोपहर 4 बजे अज्ञात व्यक्ति ने जी-मेल पर हैदराबाद से जोधपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6 ई 297 को बम से उड़ाने की धमकी दी। 24 अक्टूबर को जी-मेल पर पुणे से जोधपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट नम्बर 6 ई 133 को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा चौथी बार में 25 अक्टूबर को धमकी गई थी। इस पर सहायक मैनेजर सिक्यूरिटी राजेन्द्र सिंह भंडारी ने मामला दर्ज करवाया। इनके अनुसार 25 अक्टूबर को दोपहर के समय अज्ञात व्यक्ति ने एक्स टिव्टर पर पुणे से जोधुपर आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6 ई 133 को बम से उड़ाने की धमकी दी।

60 कार्टूनों में भरी हरियाणा निर्मित शराब बरामद

ददरेवा में पुलिस ने रिहायसी मकान में दबिश दी

नाकाबंदी के दौरान पुलिस को मिली सूचना पर ददरेवा गांव में स्थित एक रिहायशी मकान में अवैध शराब सहित गिरफ्तार आरोपी राजकुमार धाणक ।

सादुलपुर, (निसं)। दीपावली पर्व अंतर्गत नाकाबंदी के दौरान पुलिस को मिली सूचना पर ददरेवा गांव में स्थित एक रिहायशी मकान में पुलिस ने दबिश देकर हरियाणा निर्मित अवैध शराब बरामद की तथा मौके से ही आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

सोमवार शाम चार बजे थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझडिया ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान एस.आई. पप्पू राम मीणा को सूचना मिली।

■ एक आरोपी गिरफ्तार, मामला दर्ज

जिस मीणा ने पुलिस दल के साथ ददरेवा गांव की आबाद बस्ती में स्थित एक रिहायसी मकान पर दबिश दी। मकान के अंदर एक कमरे मे 60० कार्टूनों में भरी हरियाणा निर्मित शराब की कुल 516 बोतलें और 84० पव्वे बरामद करने की कार्रवाई की। तथा मामले में पुलिस ने 35 वर्षीय राजकुमार धाणक को गिरफ्तार किया है, तथा आरोपी के खिलाफ पहले भी शराब तस्करी के मामले है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध देशी शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। जयपुर रेन्ज आईजी अजयपाल लाम्बा द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत स्थानीय पुलिस थाना द्वारा प्रभावी कार्रवाई की। अभियान के अन्तर्गत एसपी राजन दुष्यन्त द्वारा अधिक से अधिक एवं प्रभावी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया था। जिस पर एएसपी वैभव शर्मा के निर्देशन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया ।

टीमों द्वारा कड़ी मेहनत व लगन से कार्य करते हुये विश्वसनीय सूत्रों से सूचना संकलन कर गत रविवार को मुल्जिम के कब्जे से कुल 48 पव्वे देशी घुंघरु सादा मदिरा शराब को बिना लाईसेंस के कब्जे में रखने तथा बेचान करने पर मुल्जिम रवि कुमार (32) पुत्र धुणाराम कंजर निवासी कंजर बस्ती गोपालपुरा को गिरफ्तार किया।

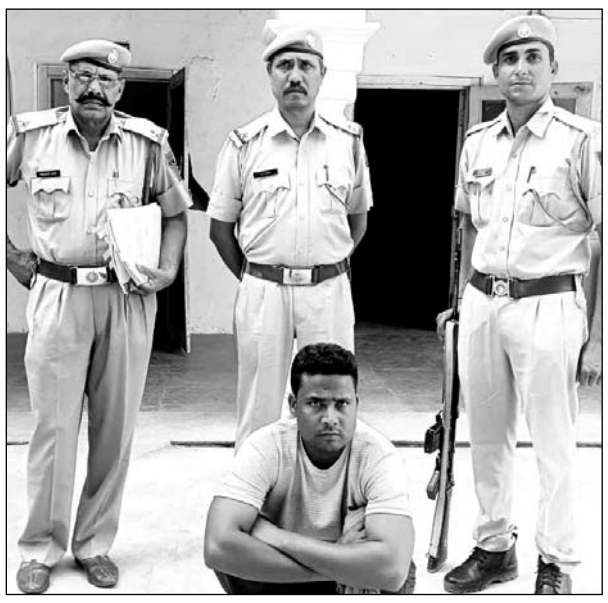

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

एटीएम से छेड़छाड़ कर रुपए निकाले

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में एक युवक ने एटीएम से छेडछाड कर उसमें से रुपए निकाल लिए। घटना के सम्बंध में एक पीडित ने मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार पीलवा लोहागढ निवासी सुरेश कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह रामनगर किराए से रहता है। वह रामनगर स्थित एटीएम पर रुपए निकालने गया था। उसने एटीएम से 10 हजार रुपए निकाल लिए। इसी दौरान एक युवक जल्दबाजी में आया। उसे देखकर वह एटीएम से बाहर गया। आरोपी युवक ने एटीएम से छेडखानी की और उससे कुछ रुपए भी निकाल लिए। युवक के जाने के बाद वह वापस एटीएम में रुपए निकालने घुसा। उसने फिर से दस हजार रुपए निकाले। इस पर एक नोट मशीन में अटक गया और कुछ नोट टेड मेडे आए। उसने एटीएम से रुपए निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं निकला। इस पर वह वहां से चला गया। कुछ दूर जाने पर उसे वह युवक फिर से मिला जिसने मशीन से छेड़छाड़ की थी। युवक फिर से एटीएम में आया।

5 लाख की अवैध शराब से भरी लग्जरी कार जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

डूंगरपुर। धंबोला थाना पुलिस ने गुजरात से सटे पुनावाडा चेक पोस्ट पर एक लग्जरी कार से 5 लाख की अवैध शराब पकडी है। कार ड्राइवर को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शराब की तस्करी कर गुजरात ले जा रहा था।

धंबोला थानाधिकारी ने बताया कि चौरासी विधानसभा उपचुनावों की आचार संहिता के तहत अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती की जा रही है। गुजरात से सटे बॉर्डर पर गाडियों की तलाशी ली जा रही है। इसी दौरान पुनावाडा बॉर्डर पर रविवार रात को गुजरात नंबर की एक लग्जरी एसयूवी कार को रूकवाया। कार की तलाशी में अवैध शराब भरी हुई मिली। कार ड्राइवर के पास शराब ले जाने के कोई कागजात भी नहीं थे। जिस पर पुलिस ने शराब के साथ कार को जब्त कर लिया। कार से 75 पेटी शराब मिली है। जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं, शराब तस्करी कर

धंबोला पुलिस ने गुजरात के पुनावाडा चेक पोस्ट पर एक लग्जरी कार से 5 लाख की अवैध शराब पकड़ी।

रहे कार ड्राइवर भंवरलाल पुत्र मादुजी मीणा निवासी खाखल धूणी थाना सराडा जिला सलूंबर को गिरफ्तार कर लिया है। शराब को अवैध रूप से तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

प्रियंका बिश्नोई की मृत्यु के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग, कार्रवाई पर उठाए सवाल

जोधपुर, (कासं)। सहायक कलेक्टर प्रियंका बिश्नोई की मौत के मामले में सोमवार को समाज के लोगों और परिजनों ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने अस्पताल और पुलिस की कार्यवाही पर सवाल उठाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। तीन दिन पहले ही कोर्ट ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। प्रियंका विश्नोई के ससुर सहिराम बिश्नोई ने वसुंधरा हॉस्पिटल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी।

ज्ञापन में बताया गया कि गत पांच सितंबर को प्रियंका बिश्नोई को वसुंधरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने प्रियंका को एक सामान्य बीमारी बताकर भर्ती किया, लेकिन उसके बाद, उनकी स्थिति बिगडऩे लगी। न्यूरोलॉजिस्ट ने सीटी स्कैन करने का परामर्श दिया था, जो एक महत्वपूर्ण कदम था, लेकिन इसके बावजूद यह टेस्ट नहीं किया गया। टेस्ट न करने का कोई ठोस कारण भी परिवार को नहीं दिया गया, जिससे अस्पताल की मंशा पर सवाल उठता है। प्रियंका बिश्नोई की हालत बिगडऩे पर उन्हें सात सितंबर को अहमदाबाद के सिम्स हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने रिपोर्ट की जांच के बाद स्पष्ट किया कि मरीज को 'हेमरेज' था, जिसका पहले उचित उपचार नहीं किया गया।

सिम्स अस्पताल में इस बात की पुष्टि हुई कि वसुंधरा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति के बावजूद उचित परीक्षण और उपचार नहीं किया था। इस दौरान परिवार को मरीज की असल स्थिति के बारे में भी अंधेरे में रखा गया। प्रियंका की मौत के बाद, इस मामले की जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया। समिति की रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें पाया गया कि वसुंधरा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति के बावजूद उसे उचित उपचार नहीं दिया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि मरीज की हालत बिगडऩे के बावजूद आवश्यक इलाज नहीं किया गया, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ गई।

न्यूरोलॉजिस्ट के परामर्श के बावजूद सीटी स्कैन न कराना भी एक गंभीर लापरवाही का संकेत है। वसुंधरा हॉस्पिटल के डॉक्टरों और स्टाफ के पास यह जानकारी थी कि उनके उपचार में की गई लापरवाही से प्रियंका की जान जा सकती है। इसके बावजूद उन्होंने इस लापरवाही को छिपाने का प्रयास किया। परिजनों ने प्राथमिकी दर्ज कराने का अनुरोध किया, लेकिन पुलिस ने इस गंभीर मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की। सवाल उठाया कि यदि सहायक कलेक्टर की मृत्यु पर पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है, तो आम जनता के मामले में न्याय कैसे सुनिश्चित किया जाएगा? इस पर कोर्ट ने प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस स्टेशन को आदेश दिया था कि डॉक्टर संजय माकवाना, डॉक्टर रेनू माकवाना, और वसुंधरा हॉस्पिटल के अन्य चिकित्सा कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। अब परिजनों व समाज के लोगों ने प्रियंका बिश्नोई की संदिग्ध मृत्यु के मामले में मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

1.57 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1.57 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पीड़ित से 56550 कैरेट के 11 किलो 300 ग्राम रफ पन्ने लिये थे। इसके बाद आरोपी ने अपनी फर्म बंद कर फरार हो गया था। इस संबंध में पीड़ित ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया था।

थानाधिकारी राजेन्द्र गोदारा ने बताया कि पीडित सचिन तांबी ने खुद के साथ हुई 1 करोड़ 57 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित हेमंत अजमानी और उसकी पत्नी मेघा ने

■ आरोपी ने पीड़ित से 56550 कैरेट के 11 किलो 300 ग्राम रफ पन्ने लिये थे

राजापार्क में एक फर्म मैसर्स अमृत इमपैस के नाम से खोल रखी थी। आरोपी हेमंत ने मोबाइल पर पीड़ित से सम्पर्क किया और रफ पन्ने की डिमांड की। आरोपी ने पीड़ित को विश्वास में लेकर 1 करोड़ 57 लाख रुपए के 11 किलो 310 ग्राम पन्ने ले लिए। आरोपी ने कुछ समय तक पैसा नहीं दिया।

पीड़ित ने उसे फोन पर सम्पर्क किया। पहले कुछ समय तक पीड़ित निरंतर पैसे जल्द देने की बात करता, लेकिन कुछ समय बाद आरोपी ने फोन कर लिया। इस पर पीड़ित सचिन तांबी आरोपी के फर्म पहुंचा तो पता चला कि आरोपी ने कुछ समय पहले ही फर्म बंद कर दी है। इस पर सचिन तांबी की ओर से मार्च 2024 में हेमंत अजमानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने उस की तलाश के लिए कई जगहों पर दबिश भी दी, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने आज मुखबिर से मिली जानकारी के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने सात जनों को गिरफ्तार किया

तीन स्थाई वारंटी व 4 गिरफ्तारी वारंटियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया ।

निवाई। निवाई पुलिस ने तीन स्थाई वारंटी व 4 गिरफ्तारी वारंटियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि पुलिस ने स्थाई वारंटी कीर कॉलोनी निवासी मदनलाल कीर, टाल वालों का मोहल्ला निवासी सुल्तान अहमद व जैन फाईनेंस के पीछे स्थित जैन कॉलोनी निवासी अमित जैन को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार गोपालपुरा उर्फ दहलोद की ढाणी निवासी रमेश बैरवा, यादव गोपालपुरा झिलाय निवासी गिर्राज यादव, खोडा का खेडा निवासी हेतराम जाट व पटवार घर के पीछे निवाई निवासी प्रदीप बैरवा को गिरफ्तार किया है।

मुस्लिम महापंचायत में फूटा कांग्रेस के प्रति आक्रोश

'जब तक टिकट नहीं तब तक वोट नहीं'

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित ईदगाह मैदान में मुस्लिम न्याय मंच द्वारा आयोजित मुस्लिम महापंचायत में मुस्लिम समाज ने कांग्रेस का बहिष्कार किया। वक्ताओं ने कांग्रेस पर भेदभाव एवं वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाया।

मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बडगुजर ने झुंझुनूं विधानसभा से आए हुए तमाम मुस्लिम समाज के लोगों का स्वागत किया। राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार ने कहा कि मैं समाज के साथ खडा हूं। मेरे लिए मेरी कौम और मेरा समाज मेरी प्राथमिकता है। चोपदार ने सांसद बृजेंद्र ओला पर वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमित ओला एक ऐसा उम्मीदवार है। जिसे यही नहीं पता कि मैं कांग्रेस द्वारा चेयरमैन हूं या बीजेपी द्वारा। उन्होंने मुझे मुस्लिम समाज का ठेकेदार कहा है। जबकि मैं समाज का ठेकेदार नहीं सेवक हूं। उन्होंने कहा कि हम हमेशा कांग्रेस के वफादार रहे

झुंझुनूं जिला मुख्यालय स्थित ईदगाह मैदान में मुस्लिम न्याय मंच की ओर से मुस्लिम महापंचायत का आयोजन किया गया।

है। जबकि आपने समय-समय पर कांठोस के साथ गद्दारी की है। पूर्व जिला कलेक्टर अशफाक हुसैन ने अपना नामांकन वापिस लिया और कहा कि मैं हमेशा समाज के साथ खडा हूं और समाज जो निर्णय करेगा मैं उसके साथ हूं। सभा को मकबूल हुसैन पार्षद ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने झुंझुनूं में हमेशा मुसलमानों के खिलाफ काम किया है। कांग्रेस का एक ही उद्देश्य रहा है कि मुस्लिम समाज को राजनीतिक आधार पर कमजोर किया जाए।

खादिम खोखर ने कहा कि मुस्लिम समाज इस उपचुनाव में कांठोस का बहिष्कार करता है तथा अपने वजूद को बचाने के लिए संपूर्ण मुस्लिम समाज को एक होना पडेगा। निसार भारू, गुलाम हुसैन, उस्मान पठान, इब्राहिम खान, आलम शेर एवं शकील फौजी आदि ने भी संबोधित किया। महापंचायत में पार्षद जब्बार फूलका, मुफ्ती इमरान, पार्षद इशाक फूलका, नजर इमाम, हाफिज जकी, मौलाना रिजवान, मौलाना शोयब, मौलाना मोहम्मद, मौलाना शकरूदीन, गुलाबनबी दानका, अलादीन, डॉ. युनूस, आबिद अली, इरफान खान, इमरान राईन, बबलू चोपदार, अकरम चोपदार, युनूस चोपदार, यूनुस रंगरेज, लतीफ खानजादा, मो. शरीफ, जाकिर हुसैन, शफीक अहमद, अब्दुल नयुम सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजहर हुसैन ने किया।

लाडो प्रोत्साहन योजना से लाभांवित करने के जिला कलेक्टर ने दिए निर्देश

गंगापुर सिटी। कलेक्टर डॉक्टर गौरव सैनी ने जिला स्तरीय सभी विभागों के अधिकारियों की आवश्यक सेवाओं के संबंध में बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने बजट-घोषणा, कृषि, सडक, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल, ई-फाइलिंग निस्तारण समय आदि की जिले में प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में जिला कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बत्तीलाल मीना से लाडो प्रोत्साहन योजना में प्रगति का विस्तृत ब्योरा प्राप्त किया और योजना में अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में बजट घोषणा एवं स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक भूमि आवंटन के लम्बित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। इस सम्बन्ध में जिला कलेक्टर ने संबंधित बीसीएमओ के माध्यम से उपखण्ड अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शेष रहे लम्बित प्रकरणों में आवंटन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करवाने के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया। वहीं, दीपावली के त्योहार पर आतिशबाजी को देखते हुए एम्बुलेंस व्यवस्था सहित मेडिकल इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम गठित करने के अनुदेश प्रदान किए। जिला कलेक्टर ने ओडीके एप संचालन में प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा एप के नियमित संचालन के लिए विकास अधिकारी जौहरी लाल को निर्देश प्रदान किए। बैठक में जिला कलेक्टर ने क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों, ट्रांसफार्मरों, नलकूपों, पाइप लाइनों सहित सीसी पुलिया, सीसी सडकों आदि की मरम्मत से संबंधित कार्यों का विस्तृत ब्योरा संबंधित अधीक्षण अभियन्ताओं से प्राप्त किया और मरम्मत कार्य गुणवत्ता पूर्ण करवाने की निर्देश प्रदान किए। डॉ. सैनी ने नगर परिषद् के कनिष्ठ अभियन्ता सुरेश शर्मा को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार यूडी टैक्स कलेक्शन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पिछले वित्तीय वर्षों में में एकत्रित किए गए यूडी टैक्स की समीक्षा की। साथ ही आगामी दिनों में दिवाली को देखते हुए मुख्य बाजारों में कहीं भी कचरा एकत्रित नहीं होने देने के निर्देश दिए और जहाँ कहीं भी कचरा एकत्रित होता है तो उसके शीघ्र निस्तारण कराने और अतिक्रमण नहीं होने देने के निर्देश दिए।

विजेताओं को सम्मानित किया

भुसावर भरतपुर (निस)। दिसंबर 23 से लगातार संचालित ऑन लाइन क्विज प्रतियोगिता के सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि विजय कुमार गुप्ता अचार उद्योग तथा विशिष्ट अतिथि पूरन मल मिश्र पूर्व शिक्षा विद रहे। प्रतियोगिता में भुसावर से सम्बंधित प्रश्न प्रत्येक रविवार को ऑन लाइन प्रात: 11 बजे पूछा जाता है जिसमें प्रथम जवाब देने वाले 20 प्रतियोगियों को बडे समारोह में लकी ड्रॉ द्वारा विजेता घोषित कर पुरुस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम के संयोजक अरविन्द मित्तल ने बताया कि 7 जुलाई से 27 अक्टूबर 24 तक कुल 17 विजेताओं को लकी ड्रॉ द्वारा प्रथम पुरुस्कार किरोड़ी लाल मित्तल स्मृति न्यास के सौजन्य से दिए गए। जिसमें कपिल मित्तल, सोनल, प्रभा, स्वाति, सीमा, पवन, नरेश, मीना, बबलू, मंजू, कनक को प्रथम पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे प्रोठाम होते रहने से अपनी मातृभूमि के यादें बनी रहती हैं तथा विशिष्ट अतिथि ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान होना भी उतना ही जरूरी है।

'त्यौहारों के समय शहर में साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करें'

करौली (नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने कहा कि आगामी समय में त्योहारों को देखते हुए शहरी क्षेत्र में नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिये नगर परिषद आयुक्त को निर्देश दिये, उन्होंने इसके अलावा शहर में सुबह एवं दोपहर में साफ-सफाई का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिये।

जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्टेट सभागार मे साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने जिले में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सीएमएचओ को मिलावट जैसे मिठाई, मावा, पनीर, घी, दूध सहित अन्य खाद्य सामठी का सैंपल लेकर दिवाली पर विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही करना सुनिश्चित करने, गत दिनों प्रमुख शासन सचिव के द्वारा जिला स्तर पर ली गई बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने, चिकित्सालयों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, कृषि विभाग के संयूक्त निदेशक को रवि की फसल को देखते हुए डीएपी सहित अन्य खाद्य एवं बीज की किसानों कि मांग के अनुसार प्रचुर मात्रा में उपलब्धता रखने, विद्युत विभाग के अधिकारी को सुचारू रूप से बिजली की आपूर्ति बनाये रखने, पीएचईडी के अधिकारी को जल जीवन मिशन के तहत बकाया कनेक्शन जारी करने, डेमेज सडकों को दुरूस्त करने, जिले मे पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में राजस्व, माइनिंग, सेल टैक्स, परिवहन एवं आबकारी विभाग को राज्य सरकार की मंशा के अनुसार शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारीयों को दिये। इसके अलावा संपर्क पोर्टल सहित अन्य लंबित प्रकरणों को समय सीमा में निस्तारण करने, ई-फाईल एवं ई-डाक की शत प्रतिशत पालना करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल, सीएमएचओ डॉ. दिनेश मीणा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

तुलसी पौध वितरण किया

भरतपुर (निस)। हरित बृज सोसायटी द्वारा श्री बांके बिहारी जी मंदिर किला भरतपुर पर तुलसी पौध वितरण किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा ने बताया कि हर घर तुलसी अभियान के अंतर्गत 311 तुलसी के पौधे मंदिर पर आने वाले दर्शनार्थियों को वितरित किए गए। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष डॉ अशोक पाराशर ने तुलसी के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि सर्दियों की में तुलसी का प्रयोग बहुत ही लाभदायक होता हैं। महासचिव सतेंद्र यादव ने बताया कि आज रामा और श्यामा दोनों प्रकार की तुलसी पौध उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर सोसायटी के शंकर लाल, सुषमा गोयल, तुलसीराम शर्मा, आदित्य शर्मा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 29 को दौरे पर

भरतपुर (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक दिवसीय दौरे पर 29 अक्टूबर मंगलवार को भरतपुर आयेंगे। जिला कलक्टर डॉण् अमित यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री प्रात: 10.15 बजे भरतपुर एमएसजे कॉलेज मैदान हैलीपैड पहुँचेंगे जहां से 10.25 बजे आरबीएम अस्पताल पहुँचकर प्रधानमंत्री द्वारा वीसी के माध्यम से पीएम आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रेक्चर मिशन के अन्तर्गत क्रिटिकल ब्लॉक्स के शिलान्यास के समारोह में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अपरान्ह: 2.30 से 3.30 बजे तक सर्किट हाउस में रहेंगे तथा अपरान्ह: 3.35 बजे एमएसजे कॉलेज मैदान में हैलीकॉप्टर से रवाना होकर 3.45 बजे ठााम अटारी स्थित हैलीपैड पहुँचेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सांय 3.45 से 4.45 बजे तक ठााम अटारी में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर जयपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

बैठक का आयोजन

भरतपुर (निस)। विप्र फाउंडेशन प्रदेश कार्य समिति बैठक का आयोजन कुहू इंटर नेशनल स्कूल गंगा पुर सिटी में किया गया। भगवान परशुराम चित्र पट पर दीप प्रज्ज्वलन और मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुई बैठक में विप्र फाउन्डेशन की रीति नीति, संगठन में नियुक्ति, संगठन के कार्य कर्ताओ का अनुशासन और प्रेरणादायी जीवन की आवश्यकता, जॉन के प्रत्येक जिले में आगामी समय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे-सामाजिक एकता, दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम, शपथ ठाहण कार्यक्रम प्रतिभा सम्मान समारोह विप्र रत्न सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, ई लाइब्रेरी की स्थापना, विभिन्न प्रकोष्ठों के सम्मेलन, विप्र सम्मेलन, प्रदेश कार्य समिति की आगामी बैठक केरियर गाइडेंस समारोह और संगठन के नेतृत्व में समाज हितार्थ धरातल पर किए जाने वाले कार्यों पर बैठक में चर्चा, सुझाव व निर्णय हुए। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जॉन 1 प्रभारी भुवनेश्वर शर्मा प्रदेशाध्यक्ष जॉन कृष्ण मुरारी चतुर्वेदी, जॉन 1 प्रदेशाध्यक्ष वेद प्रकाश उपाध्याय ने अपने सार गर्भित उद्बोधन से विप्र फाउन्डेशन के सभी पदाधिकारीयो को आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों और समाज के समक्ष खडी चुनौतियों का एक जुटता के साथ सामना करने के साथ ही अपना अधिकतम योगदान देने का संकल्प दिलाया कार्य क्रम में जॉन के प्रदेश पदाधिकारी गंगा राम पाराशर, कैलाश तिवारी शान्तुन पाराशर डा हेमन्त शर्मा, अनिल भारद्वाज डा मनीष, अजय शर्मा, सियाराम शर्मा, महेश दास महन्त, सुभाष भारद्वाज, महेश पाराशर, सतेन्द्र शर्मा सुरेन्द्र शर्मा, दिलीप तिवाड़ी, भूपेन्द्र अवस्थी, डा सुशील पाराशर ने भी अपने विचार, व सुझाव रखे, बैठक में भरतपुर जिले से गंगा राम पाराशर, दया चन्द पचौरी, ब्रज भूषण पाराशर, अनिल भारद्वाज, डा सुशील पाराशर, इंदु शेखर नरेन्द्र शर्मा सहित जॉन 1 डी के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिलान्यास आज

करौली (नि.स.)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री के द्वारा वर्चुअल माध्यम से आज मंगलवार को क्रिटीकल केयर ब्लॉक्स के शिलान्यास कार्यक्रम प्रात: 11:00 बजे मेडिकल कॉलेज मंडरायल रोड करौली में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर राज्य सरकार के निर्देशों कि पालना में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं जिला प्रभारी सचिव आशुतोष एटी पेडनेकर भी शामिल होगे।

निरीक्षण किया

करौली(नि.स.)। श्रम विभाग, मानव तस्करी निरोधक यूनिट व चाइल्ड लाइन करौली द्वारा बाल श्रम रोकथाम एवं जागरूकता अभियान के तहत जिले में सोमवार को मुख्य मिष्ठान भंडार दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बीकानेर स्वीट होम,जय बजरंग सरमथुरा मिष्ठान भंडार,ब्रजवासी मिष्ठान भंडार, विष्णु मिष्ठान भंडार,श्री बालाजी मिष्ठान भंडार आदि का निरीक्षण कर पायी गई अनियमितताओं के संबंध में मौके पर नियोजकों को विभिन्न श्रम अधिनियमों के अंतर्गत नोटिस जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान श्रम निरीक्षक माधव गोस्वामी, श्रम निरीक्षक राजेश कुमार, जिला प्रबंधक गोपाल सिंह, मानव तस्करी युनिट के मंजीत, चाइल्ड लाइन के भीकम सिंह व विजय सिंह ने संस्थान मालिकों को बाल श्रम संबंधी कानूनों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि यदि कियी संस्थान पर 18 वर्ष से कम उम्र का कोई बालक कार्य करते हुए पाया गया तो संस्थान मालिक के विरुद्ध समुचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

आम जनता के बिना सहयोग के पुलिस अपराधियों और अपराधो पर काबू नहीं पा सकती

भुसावर (निस)। एनएच 21 जयपुर आगरा पर जिले की सीमा का अंतिम थाना खेडली मोड़ परिसर में रविवार की शाम को थाने के सी एल जी सदस्यों की बैठक वैर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जय नारायण मीणा ने ली। आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयनारायण मीणा ने सीएलजी सदस्यों से कहा कि एन एच 21 जयपुर भरतपुर पर जिले की सीमा का अंतिम नवीन स्थापित थान खेडली मोड़ इलाके में शांति व्यवस्था और कानून को बनाए रखने के अलावा अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश पाने के आम जनता का सहयोग होना जरूरी है।

उन्होंने कहा की आम जनता के बिना सहयोग के पुलिस अपराधियों और अपराधो पर काबू नहीं पा सकती है। उन्होंने कहा कि खेडली मोड़ थाना इलाके में किसी भी प्रकार के अपराधिक गति विधि से संबंधित कोई सूचना अगर कोई व्यक्ति थाने पर देता है उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि खेडली मोड़ थाना इलाके के अंदर किसी भी अपराध घटित होने की संभावना नजर आती है तो उसकी सूचना खेडली मोड़ थाने पर थाना धिकारी या बीट प्रभारी के बताए गए मोबाइल पर संपर्क कर सूचना दी जानी चाहिए। ताकि अपराधिक और अपराधियों पर काबू पाया जा सके। उन्होंने कहा कि खेडली मोड़ थाने पर सूचना देने वाले के नाम गोपनीय रखा जाएगा।

वही बैठक में भुसावर सर्किल के सीओ धर्मेंद्र शर्मा ने सी एल जी सदस्यों से कहा कि खेडली मोड़ थाना परिसर में आने वाले फरियादी की बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और संतोषजनक जवाब दिया जाना चाहिए आवश्यक दिशा निर्देश पुलिस स्टाफ को दिए। खेडली मोड़ थाने के थानाधिकारी महेश मीणा ने सीएलजी की बैठक में आए सदस्यों से बोलते हुए कहा कि थाना परिसर में आने वाले फरियादी की बात को सुना जाएगा और उसकी समस्याका निराकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के गृह विभाग ने नया थाना खोला है। इस थाना इलाके में दो दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ा गया। जितने भी गांव खेडली मोड़ थाना इलाके में आते है।

उन गावो में पुलिस मित्र बनाए जाने सहित सुरक्षा सखियों का गठन किया जाएगा। साथ ही थाने की बीट वाइज पुलिस कर्मियों के और थाने के संपर्क नंबर भी सार्वजनिक स्थानों पर ठाामीण अंचल में अंकित किए जायेंगे।

उन्होंने सीएलजी सदस्यों की बैठक में कहा की एनएच 21 जयपुर भरतपुर पर और खेडली मोड़ थाना इलाके में प्रोपर तरीके से सुबह शाम देर रात को गस्त जारी है। वही उन्होंने कहा कि थाना इलाके में शांति और कानून व्यस्था बनाए रखने के लिए खेडली मोड़ थाना पुलिस की ओर से समाज सेवियों से संपर्क किया जाता रहा है। सीएलजी की बैठक में पुलिस के अधिकारियों ने वार्ता करते हुए अपने सुझाव मांगे। बैठक में आए लोगों ने अधिकारियों से कहा कि खेडली मोड़ चौराहा पर होने वाली बंद दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जयपुर की तरफ से भरतपुर की तरफ जाने वाली लाइन में वन विभाग के पास जेड आकार के वेरी केट लगाए जाने तथा चौराहा पर एन एच ए आई की ओर से रोशनी की व्यवस्था कराए जाने सहित अन्य सुझाव दिए।

आयोजित बैठक में खेडली मोड़ थाना के सहायक उपनिरीक्षक महेश चंद हेड कांस्टेबल जीतेंद्र सिंह सतेंद्र सिंह अमित शर्मा अरविंद कुमार जयकेश मीणा सहित अन्य पुलिस कर्मी और सी एल जी सदस्य उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भरतपुर (निस)। जिला आरबीएम अस्पताल में मंगलवार को क्रिटिकल केयर यूनिट का शिलान्यास किया जाएगा। माना जा रहा है कि प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा कल भरतपुर आकर इसका शिलान्यास करें। जिसे लेकर प्रशासन के द्वारा भी पूरी तैयारी की जा रही है। जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव, एडीएम सिटी राहुल सैनी, एएसपी सतीश कुमार, सिओ सिटी पंकज यादव, चिकित्सा अधीक्षक डॉ नगेन्द्र भदौरिया, सीएमएचओ डॉ गौरव कपूर ने भी शिलान्यास स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

आरबीएम अस्पताल में पार्किंग वाली जगह पर एक विशाल डोम बनाया जा रहा है। जिसमें करीब तीन हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। प्रदेश में इस प्रकार की 33 क्रिटिकल केयर यूनिट बननी हैं। फिलहाल आठ क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण 210 करोड 75 लाख की लागत से होना है। जिसके बाद मुख्यमंत्री भजन लाल आरबीएम अस्पताल की क्रिटिकल केयर यूनिट का शिलान्यास कर सकते हैं।

श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

गंगापुर सिटी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार नेहरू युवा केंद्र एवं कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के संयुक्त तत्वाधान में 'दिवाली विद माय भारत' के प्रथम वर्षगांठ पर गंगापुर सिटी मे कुशालगढ के बाबा श्याम मन्दिर के आस पास युवाओं द्वारा स्वच्छता श्रमदान किया गया एवं लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। कार्यक्रम के बारे में विवेकानंद युवा मंडल अध्यक्ष रिजुल गर्ग ने बताया कि जिले में माय भारत युवाओं द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है की स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का आधार है। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अध्यक्ष रवि मंगल द्वारा भी स्वच्छता का संदेश देकर कहा कि हमारे प्रधानमंत्री का भी संकल्प है स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत तो हम इस दिवाली सबसे पहले प्रत्येक व्यक्ति अपने आस पास गंदगी न करे स्वच्छता रखें। अभियान के अंतर्गत दिवाली पूर्व स्वयंसेवा का परिचय देते हुए यातायात विभाग के साथ मुख्य चौराहों पर आमजन को यातायात नियमों की जानकारी, फव्वारा चौक जैसे मुख्य बाजारों में स्वच्छता अभियान व अस्पतालों में आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं में मदद आदि कार्य किये जायेंगे।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

करौली (नि.स.)। करौली के मंडरायल और सपोटरा क्षेत्र में विभिन्न समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री रमेश मीणा के नेतृत्व में ठाामीणों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। पूर्व मंत्री मीना के नेतृत्व मे पूर्व सरपंच योगेश शर्मा, रंगी, कुजीलाल, मुके'श, सियाराम, कुंवरपाल, राजेन्द्र, नबल मीना, नथुआ लाल, भूरसिंह सहित दर्जनो कि संख्या मे आये ठाामीणो ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम का ज्ञापन सौंपकर हाड़ौती में बनास नदी प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध बजरी दोहन,मंडरायल जिला अस्पताल मे नवीन भवन निर्माण,मंडरायल में अवैध नशीली दवाओं की बिक्री,सट्टे और नशे के कारोबार पर लगाम कसने और रोधई ठाम पंचायत में मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। ज्ञापन सौंपकर जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। पूर्व मंत्री रमेश ने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली और बजरी माफिया सपोटरा के हाड़ौती में बनास नदी से प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध बजरी का दोहन कर रहे हैं जबकि अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन पर कार्यवाही करने का आरोप लगाया है उन्होंने कहा कि आमजन में आक्रोश व्याप्त है अवैध बजरी दोहन और बजरी माफियाओं के कारण क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि मंडरायल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत हुए लंबा समय बीत चुका है लेकिन राजनीतिक स्वार्थ और दबाव के कारण अभी तक अस्पताल के नवीन भवन का निर्माण शुरू नहीं हो सका है जबकि टेंडर हो चुके हैं पूर्व मंत्री का आरोप है कि राजनीतिक दबाव और कुछ लोगों के स्वार्थ के कारण क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए 50 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है पूर्व मंत्री का आरोप है कि मंडरायल पंचायत समिति की ठाम पंचायत रोधई में एसएफसी, एफएफसी,मनरेगा सहित अन्य योजना में विकास कार्यों में जमकर फर्जीवाड़े किये जा रहे है। पूर्व मंत्री का आरोप है कि क्षेत्र में हैंडपंप के स्थान पर सिंगल फेज मोटर लगाई जा रही है जिसका कोई विद्युत कनेक्शन नहीं है।

इस कारण हैंडपंप की बजाय सिंगल फेज मोटर से उसका उपयोग निजी स्वार्थ में होने की संभावना है। पूर्व मंत्री ने ठेकेदार पर नियमानुसार कार्य नहीं करने और अन्य योजनाओं में भी फर्जीवाड़े का आरोप लगाया है। पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों के साथ मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित जिम्मेदार अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ उचित और कड़ी कार्यवाही कि मांग की है।

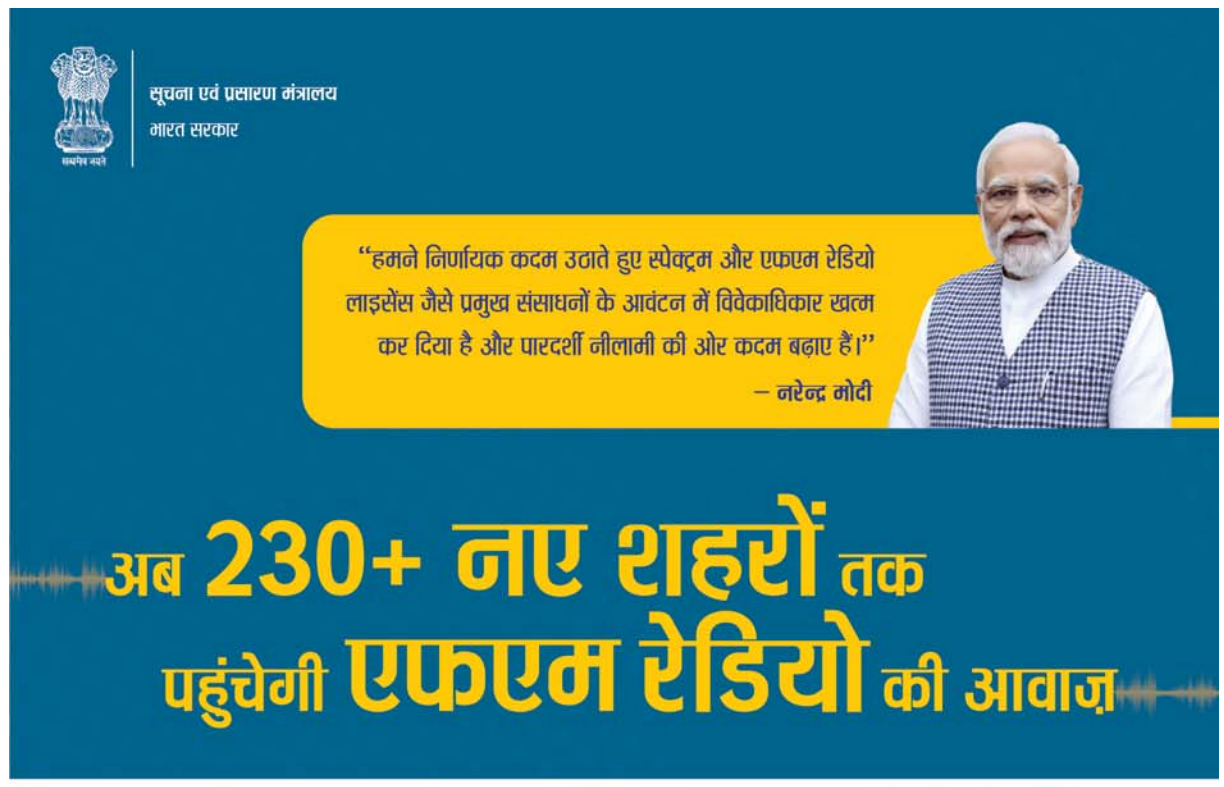

अभिकर्ताओ ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

करौली (नि.स.)। भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदर्शन कर विभिन्न मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है। साथ ही मांगों को लेकर कोई सुनवाई नहीं होने पर उठा आंदोलन की चेतावनी दी है।

अभिकर्ता संगठन के भूरसिंह जाटव ने बताया कि अभिकर्ता लंबे समय से अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मांग करते आ रहे हैं। जिसमें किलो बैक नियम वापस लेने,अभिकर्ताओं के कमीशन में वृद्धि,पॉलिसी धारकों के बोनस में वृद्धि करने और अभिकर्ताओं की ठोच्चुटी बढ़ाने सहित विभिन्न मांग है। अभिकर्ता अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर को लेकर कई बार धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन अभी तक मांग पूरी नहीं हुई। भूरसिंह चैधरी ने बताया कि प्रदर्शन करके मैनेजमेंट को संदेश दिया कि मांगों पर ध्यान दिया जाए। मांग पूरी नहीं होने पर 10 लाख से अधिक अभिकर्ता सडक पर भी उतरने को मजबूर होंगे। इस दौरान लियाफी के पूर्व जोन सेक्रेटरी भूरसिंह चैधरी,मंडल सदस्य नगेंद्र जैन आदि अभिकर्ता उपस्थित थे।

सोमका में हुई मेवात महापंचायत का आयोजन

भरतपुर(निस)। मेव समाज में व्याप्त बुराईयों एवं साइबर क्राइम की रोकथाम में सहयोग करने आदि मामलों को लेकर समृद्ध भारत अभियान के बैनर तले डीग जिले की पहाडी तहसील के गांव सोमका में विशाल महापंचायत का आयोजन हुआ। जिसमें राजस्थान व हरियाणा राज्य के जन प्रतिनिधी, उलेमा, मौलवी एवं गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की और इस महा पंचायत में चार प्रस्ताव पारित किये गये। महापंचायत की अध्यक्षता करते हुए मील मदरसा के मौलाना राशिद ने कहा कि अब समय आ गया है, जब समाज को बदलते समय के अनुसार चलना पडेगा तथा सभी बच्चों को आधुनिक व रोजगारपरक तालिम दिलानी होगी। उन्होने कहा कि आज समाज में दहेज व शादी में दिखावा करने की जो कुरीति प्रचलित है, उस पर रोक लगानी होगी। उन्होने कहा कि साइबर क्राइम की वजह से आज मेव समाज बदनामी का दंश झेल रहा है। इससे मुक्ति दिलाने के लिए हमे मिलकर प्रयास करने होंगे। महापंचायत में शादियों में दहेज लेने व देने पर पाबन्दी, विवाह समारोह सादगी से आयोजित करने, तालिम को बढावा देने के लिए मेवात में विश्व विद्यालय खुलवाने एवं साइबर क्राइम की रोकथाम में सहयोग करने के प्रस्ताव लिये गये। साइबर क्राइम की रोकथाम में सभी ने हाथ उठाकर सहयोग देने का समर्थन किया तथा विश्व विद्यालय की स्थापना के लिए जन सहयोग से राशि एकत्रित करने का निर्णय लिया गया। जिस पर समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने एक लाख का सहयोग देने की घोषणा की। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने कहा कि संस्था मेवात क्षेत्र के विकास के प्रति दृढ संकल्पित है और बालक-बालिकाओं को कम्प्यूटर शिक्षा दिलाने का कार्य प्रारम्भ करा दिया है। इसके अलावा मछली पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य रोजगारपरक के प्रशिक्षण भी आयोजित कर कार्य प्रारम्भ कराये जायेंगे। उन्होने कहा कि साइबर क्राइम में वांछित अपराधियों के अतिरिक्त निर्दोष की गिरफतारी के सम्बन्ध में पुलिस के उच्च अधिकारियों से वार्ता की जायेगी। महापंचायत में हरियाणा के नूंह के विधायक एवं पूर्व मंत्री आफताफ अहमद, कामां के पूर्व प्रधान जलिश खान, सद्दीक खान जुरहरा, सरपचं नौमान खान, राजमल ठेकेदार, कृषि उपज मण्डी नगर के चौयरमेन आशा, मौ इकबाल खान, अकबर खान, अत्ता उल्लाह खान ने भी अपने विचार कर समाज सुधार के सम्बन्ध में अनेक सुझाव दिये। संचालन मुफ्ती रिजवान ने किया तथा बृज मेवात जन जागृति अभियान के अध्यक्ष एम. जुबेर खान आभार व्यक्त किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई

नदबई (निस)। कस्बे में नगर रोड स्थित निज आवास पर जिलाध्यक्ष मनोज भारद्वाज के मुख्य आथित्य में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। जिसमें मुख्यरूप से सक्रिय सदस्यता अभियान में गति देने व अधिक से अधिक सदस्यों को जोडने के लिए संकल्प लिया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रज्जन महुआ, जिला महामंत्री गोविन्द चौधरी, दुर्गेश बूटोलिया, सत्येन्द्र सिंह गुड्डू, पूर्व पार्षद अरब सिंह, अशोक उपाध्याय व जिला मंत्री उमेश पाराशर विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुए।

भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। - हरभजन सिंह

भारतीय गेंदबाज, भारतीय बल्लेबाजों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

गैरी कर्स्टन

पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ मतभेद पैदा होने के कारण अपनी नियुक्ति के छह महीने के अंदर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारत की 2011 में वनडे विश्व कप की चैंपियन टीम के कोच रहे 56 वर्षीय कर्स्टन को पीसीबी ने इस साल अप्रैल के आखिर में मुख्य कोच नियुक्त किया था। पीसीबी ने एक्स पर लिखा,"पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आज घोषणा की कि जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल के एक मैच में सर्वाधिक गोल का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया और स्वीजरलैंड के बीच (7-5) खेले गये मैच के दौरान हुआ।

चोटिल जाकेर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर

चटगांव, 28 अक्टूबर। विकेटकीपर बल्लेबाज जाकेर अली चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बंगलादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर महिदुल इस्लाम अंकोन को टीम में जगह दी गई है। जाकेर को रविवार को चटगाँव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में प्रशिक्षण के दौरान चोट लगी थी। बंगलादेश के फिजियो बैजदुल इस्लाम खान ने कहा, जाकेर अली को कल बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। उन्हें पहले भी चोट लग चुकी है उनके पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें ठीक होने में कुछ समय लग सकता है। उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। जाकेर अली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बंगलादेश की दूसरी पारी में टेस्ट पर्दापण करते हुए अर्धशतक बनाया था। जाकेर की जगह महिदुल इस्लाम को टीम में जगह दी गई है। महिदुल ने पिछले सप्ताह सिलहट डिवीजन के खिलाफ 118 रन बनाकर अच्छी फॉर्म में हैं।

राजस्थान-गुजरात रणजी मैच

राजस्थान के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 28 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - गुजरात रणजी मैच के तीसरे दिन मैच रोमांचक मोड़ पर।

गुजरात दूसरी पारी 129/4

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक गुजरात ने अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए थे।राजस्थान के गेंदबाजअनिकेत चौधरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए गुजरात टीम के सलामी बल्लेबाजों को टीम के 15 रन के स्कोर परपेवेलियनलौटा दिया।

राजस्थान के गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के सामने शुरूआतीझटकों के बाद गुजरात टीम ने अपनी दूसरी पारी में संभल कर खेलते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए थे।

लक्ष्मण दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के कोच

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया के कोच बनाए गए हैं। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को ऑस्ट्रेलिया दौर पर जाना है। ऐसे में लक्ष्मण को वाइट बॉल टीम का कोच बनाया गया है, भारतीय टीम को अगले महीने साउथ अफ्रीका दौरे पर जाना है। यह सीरीज 8 नवंबर से खेली जाएगी।

लक्ष्मण के साथ नेशनल क्रिकेट अकादमी से जुड़े साईराज बहुतुले, ऋषिकेश कानिटकर और सुभादीप घोष सपोर्टिंग स्टाफ के तौर पर जाएंगे। बहुतुले हाल ही में इमर्जिंग एशिया कप के लिए इंडिया-ए के मुख्य कोच थे। वहीं, कानिटकर बैटिंग कोच और सुभादीप घोष फील्डिंग कोच थे। साउथ अफ्रीका के लिए टीम 4 नवंबर के आसपास रवाना होगी। भारत 8, 10, 13 और 15 नवंबर को क्रमश: डरबन, गेबेरा, सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में चारट टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। ने 25 अक्टूबर (शुक्रवार) को चार टी-20 मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाक, आवेश खान, यश दयाल।

पुणे टेस्ट में हार के लिए बैटर दोषी : मांजरेकर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पुणे में दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के लिए भारतीय बल्लेबाजों को जिम्मेदार माना है। साथ ही उन्होंने सरफराज खान से पहले वॉशिंगटन सुंदर को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा की आलोचना की है। पुणे टेस्ट में भारत को हराने के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। भारत को 12 साल बाद घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। संजय ने क्रिकेट की वेबसाइट क्रिकइंफो से पुणे टेस्ट में भारतीय हार के वजहों पर बातचीत की।

पूरन, मयंक और विश्नोई को रिटेन कर सकती है

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स, कैरेबियन विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन, भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव और स्पिनर रवि बिश्नोई को रिटेन कर सकती है।

सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से माफी : शमी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने प्रशंसकों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी मांगी है क्योंकि बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि वह अभी तक मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। शमी ने सर्जरी करवाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना 'रिहैबिलिटेशन' पूरा किया। लेकिन उनके घुटनों में सूजन के कारण उनकी वापसी की योजना में रूकावट आई।

हालांकि शमी ने हाल में घोषणा की थी कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। शमी ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रेनिंग का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। इस 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, "मैं प्रयास कर रहा हूं और दिन-प्रतिदिन अपनी गेंदबाजी फिटनेस में सुधार कर रहा हूं। मैच के लिए तैयार होने और घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से भी माफी मांगता हूं। लेकिन बहुत जल्द मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हूं, आप सभी को प्यार। शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रन फोर यूनिटी को दिखाएंगे हरी झंडी

जयपुर, 28 अक्टूबर। लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में 29 अक्टूबर को रन फोर यूनिटी दौड का आयोजन किया जा रहा है। इसी कडी में मंगलवार को गुलाबी नगरी में भी इसका आयोजन होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रात: 07:00 बजे अमर जवान ज्योति से हरी झंडी दिखाकर इस दौड को रवाना करेगें।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड के अवसर पर आम जनों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। इस दौड में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों सहित प्रशिक्षकगण, विभिन्न रनर्स क्लब, सामाजिक संघटनों के प्रतिनिधि, स्कूल कॉलेजो के छात्र-छात्राए भाग लेगीं। उन्होने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड सवाई मानसिंह स्टेडियम से प्रारम्भ होकर विधानसभा, नगर निगम, अर्जुन गेट, रामबाग सर्किल और अम्बेडकर सर्किल से होते हुए वापिस सवाई मानसिंह स्टेडियम के 5 नम्बर गेट पर सम्पन्न होगी।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने सोमवार की सायं को तैयारियों का जायजा लिया। डॉ. पवन ने इस कार्यक्रम से जुडें अधिकारियों और कर्मचारियों को तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के डिप्टी कमिश्नर प्रियवरित सिंह चारण सहित खेल परिषद के अधिकारी उपस्थित थे।

// राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ //

राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी

केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ ने सोमवार को सत्र 2024-25 की सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी कर दिया। इन प्रतियोगिताओं में केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकते है। जिनके पास आरएच-पिन नंबर होगा। जिन खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वे खिलाड़ी राज्य हैंडबॉल संघ की वेबसाइट पर लॉगिन कर रजिस्टर्ड करे।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 29वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन जालोर में 14 से 17 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2010 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है। इसी प्रकार 41वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन चित्तौड़गढ़ में 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक होगा। इसमें 01.01.2005 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है।

उन्होंने बताया कि 47वी राजस्थान राज्य सीनियर महिला हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन जय भवानी हैंडबॉल अकादमी द्वारा श्रीगंगानगर में 6 से 9 दिसंबर तक किया जाएगा। जबकि राज्य सीनियर पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बारां में 14 से 17 दिसंबर तक किया जायेगा। यश प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के दौरान ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये राज्य के संभावितों का चयन भी किया जायेगा।

राजधानी

'राइजिंग राजस्थान' के ब्रांड एम्बेसडर हैं स्थानीय उद्यमी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं व्यापारी राइजिंग राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं। वे देश के कई राज्यों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों से संपर्क कर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करें, ताकि वे अपना औद्योगिक कौशल अपनी मातृभूमि पर दिखा सके।

- **मुख्यमंत्री ने व्यापारियों व उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि, "प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क कर प्रदेश में निवेश लाएं'**
- **मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि उद्योगों को पर्याप्त बिजली और पानी की सुविधा मिलेगी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के संबंध में स्थानीय औद्योगिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाली 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के संबंध में स्थानीय औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं उनके संगठनों का व्यापक नेटवर्क आगामी राइजिंग राजस्थान समिट की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस नेटवर्क का उपयोग करते हुए ये संगठन अपनी शाखाओं के माध्यम से आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, आसाम, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उडीसा, झारखंड एवं बिहार में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करें और उन्हें निवेश करने के लिए आकर्षित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वोकल फोर लोकल पर विशेष रूप से ध्यान देने के साथ ही 'एक जिला, एक उत्पाद नीति' भी लागू करने जा रही है। इससे स्थानीय उद्यिमयों की आर्थिक प्रगति होगी और रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विगत 10 महीने के कार्यकाल में एक रोडमैप के तहत बिजली एवं पानी के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया है। राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जिससे हम प्रदेश को 2027 तक ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बना सकेंगे। राजस्थान बिजली खरीदेगा नहीं, बल्कि बेचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना एवं यमुना जल समझौता कर हमने प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। बिजली और पानी की उपलब्धता हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं, इसी से प्रदेश औद्योगिक विकास के पथ पर निरंतर गतिमान होगा।

बैठक में उद्योगपतियों एवं व्यापारियों ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट को सफल बनाने के लिए स्थानीय व्यापारिक संगठन राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। प्रदेश में निवेश लाने के लिए व्यापारिक संगठनों की देशभर में फैली शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य करेगी। उन्होंने पर्यटन, कृषि, शिक्षा, खनन, आवासन, हस्तशिल्प, मार्बल, अक्षय ऊर्जा, टैक्सटाइल्स, इलेक्ट्रोनिक, जेम्स एंड ज्वैलरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश से संबंधित पर अपने सुझाव भी मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किए। क्रेडाई के चेयरमैन गोपाल गुप्ता एवं संरक्षक अनुराग शर्मा, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष घनश्याम ओझा, फोर्टी के कार्यकारी निदेशक अरूण अग्रवाल, जीनस पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, प्रबंध निदेशक आरएमसी जेम्स निर्मल बरड़िया जयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष श्याम अग्रवाल सहित प्रमुख उद्योगपति बैठक में उपस्थित थे।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर सेवानिवृत

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रत्येक कार्य महत्वपूर्ण होता है। जिस व्यक्ति को जो जिम्मेदारियां दी जाये, उसे उस दायित्वों का निर्वहन निष्ठा से करना चाहिए। इसी से व्यक्ति और संस्था दोनों की छवि का प्रदर्शन होता है। देवनानी सोमवार को यहां विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय की गरीमा को बनाये रखने का दायित्व यहां कार्य करने वाले प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का है। समारोह में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मार्शल का कार्य विशेष प्रकृति का होता है। मार्शल चौधरी ने 24 वर्ष तक इस पद पर रहकर विधान सभा के सुरक्षा दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन किया है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाला प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी भाग्यशाली है, जिन्हें ऐसे स्थल पर राजकीय सेवा करने का मौका मिला है। समारोह को सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, विधान सभा सचिवालय के कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधान सभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारी मौजूद थे।

- **जिम्मेदारियों का निष्ठा से दायित्व निर्वहन करें : वासुदेव देवनानी**
- **समारोह में नेता प्रतिपक्ष जूली व संसदीय कार्य मंत्री पटेल भी हुए शामिल**

राजस्थान विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर की सेवानिवृत्ति पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

प्लेसमेंट एजेंसी से लगे संविदा कर्मियों को हटाने पर रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग में प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए विभिन्न पदों पर लगे संविदा कर्मियों को हटाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, निदेशक जन स्वास्थ्य और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ ने यह आदेश सौरभ शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

उपचुनाव में 11 नामांकन पत्र रद्द

जयपुर । राजस्थान में उपचुनाव के लिए 7 विधानसभा क्षेत्रों में अभ्यर्थियों के नामांकन-पत्रों की सोमवार को संवीक्षा हुई। 25 अक्टूबर तक 94 अभ्यर्थियों ने कुल 118 नामांकन-पत्र प्रस्तुत किए थे। संवीक्षा में कुल 11 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं। नामांकन-पत्र वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि संवीक्षा के दौरान दौसा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 4 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं। खींवसर और देवली-उनियारा में 2-2 तथा झुंझुनू, चौरासी और सलूम्बर में 1-1 नामांकन रद्द हुए हैं। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कोई भी नामांकन-पत्र रद्द नहीं हुआ है। इस प्रकार, कुल 11 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं, जिससे 10 अभ्यर्थियों की अभ्यर्थना समाप्त हो गई है। महाजन के अनुसार, 7 विधानसभा क्षेत्रों में संवीक्षा के बाद अभ्यर्थियों की संख्या 84 रह गई है।

आयुर्वेद निदेशक पेश होकर बताएं कि "आदेश की पालना क्यों नहीं की?"

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु 60 साल से बढ़ाकर 62 साल करने के मामले में दिए आदेश की पालना नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने आयुर्वेद निदेशक को हाजिर होकर बताने को कहा है कि आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। हालांकि अदालत ने कहा है कि यदि दो सप्ताह में आदेश की पालना कर ली जाती है तो निदेशक को अदालत में पेश होने की जरुरत नहीं है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. महेन्द्र गुप्ता व अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता एनके गर्ग ने बताया हाईकोर्ट ने 13 जुलाई 2022 को आदेश जारी कर आयुर्वेद चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु 60 से बढ़ाकर 62 साल कर दी थी। इस पर राज्य सरकार की ओर से इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने गत 30 जनवरी को हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की एसएलपी खारिज कर दी।

'कांग्रेस विधायक को देखकर बजट देती थी, भाजपा ने सब जगह विकास कार्य कराये'

भाजपा की कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा में ''राष्ट्र प्रथम'' नीति पर कार्य होता है

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रदेश कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया।

- सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि देश भर में भाजपा के 10 करोड़ सदस्यों में से 61 फीसदी 35 साल से कम उम्र के हैं। जो दर्शाता है कि प्रधानमंत्री की रीति और नीति में युवा विश्वास जता रहा है।
- कार्यशाला में सांगोद, सांगानेर, विद्याधर नगर, आदर्श नगर और उदयपुर शहर के संयोजक को सम्मानित किया गया।

जयपुर, 28 अक्टूबर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति तथा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व, सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रदेश कार्यशाला आयोजित की गई। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रदेश चुनाव प्रभारी नारायण पंचारिया, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत के मुख्य अतिथ्य में 2 सत्रों में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, संगठन के कार्यों को गति देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने का आ ान किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ही ''राष्ट्र प्रथम'' की नीति पर कार्य करने वाली राजनीतिक पार्टी है। भाजपा में जहां देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्य किया जाता है, वहीं आतंरिक लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए संगठन के कार्यों को भी लोकतांत्रिक रूप से पूरा किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसियों की दोगली नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि एक ओर भाजपा सरकार है, जिसने बजट में सभी 200 विधानसभाओं के लिए काम किया, वहीं दूसरी ओर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, जो क्षेत्र और विधायक को देखकर विकास कार्य करवाती थी। भाजपा ने जो बजट पेश किया, उसकी क्रियान्विति के लिए कार्य भी किए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति और नीति पर विश्वास करता है। इन्हीं कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बन पाया है। भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों की भी जिम्मेदारी निभानी होगी।

मदन राठौड ने प्रदेश कार्यशाला के माध्यम से 29 अक्टूबर को प्रदेशभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन करने का आ ान किया। राठौड ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अक्टूबर देश की एकता के लिए रन फॉर यूनिटी दौड का आयोजन करने का आ ान किया है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के सदस्यता अभियान ने तेजी से लक्ष्य को पूरा किया है।

कार्यशाला में प्राथमिक सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि देशभर में 10 करोड सदस्यों में से 61 फीसदी सदस्य 35 साल से कम उम्र के है। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीति में देश का युवा विश्वास जता रहा है।

भाजपा उपाध्यक्ष एवं प्रदेश चुनाव अधिकारी नारायण पंचारिया ने संगठन पर्व की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के बाद प्रदेश चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की गई। अब जिला चुनाव अधिकारी और दो सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

कार्यशाला में सदस्यता अभियान में प्रदेश के टॉप 5 विधानसभा क्षेत्रों के संयोजक एवं सह संयोजकों को सम्मानित किया गया। इसमें कोटा की सांगोद, जयपुर की सांगानेर, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, और उदयपुर शहर के संयोजकों को प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड एवं पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सह चुनाव अधिकारी दामोदर अग्रवाल ने किया और सहचुनाव अधिकारी हरिराम रणवां ने धन्यवाद दिया।

रोहतक-दिल्ली ट्रेन में विस्फोट

रोहतक, 28 अक्टूबर। रोहतक से दिल्ली जा रही सवारी रेल गाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट हो गया। विस्फोट की वजह से एक बोगी में आग लग गई, जिससे चार यात्री गंभीर रुप से झुलस गए हैं।

हादसे के बाद घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर रेलवे पुलिस व स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। रेलवे और पुलिस की टीम ने

- एक बोगी में आग लगी, 4 यात्री गम्भीर रूप से झुलसे।

घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में पता चला है कि कोई व्यक्ति गंधक-पोटाश लेकर जा रहा था और उससे ही विस्फोट हुआ है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से भी एक टीम मौके पर पहुंची और इस बारे में पूछताछ की। इसके अलावा एफ.एस.एल. की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके से जरुरी तथ्य जुटाए।

महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों...

- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी, भाई, उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की पत्नी मैदान में है। पार्टी ने कई नेताओं के करीबी रिश्तेदारों को टिकट दिया है।
- महाराष्ट्र में तो परिवारवाद और भी बड़े स्तर पर है। भाजपा ने अशोक चव्हाण की बहु, मुम्बई भाजपा अध्यक्ष के भाई को टिकट दिया। भाजपा, कांग्रेस, शिव सेना व एन.सी.पी. सहित सभी दलों ने अपने बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को पर भरोसा जताया है कि आम कार्यकर्ता पर।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मामले में उच्च नैतिक मूल्यों का दावा नहीं कर सकती। भाजपा का टिकट पाने वाले इन नाते-रिश्तेदारों में अग्रलिखित लोग शामिल हैं- मीरा मुण्डा, जो पूर्व भाजपा मुख्यमन्त्री अर्जुन मुण्डा की पत्नी है, बाबूलाल सोरेन, जो जे.एम.एम. के पूर्व मुख्यमन्त्री चम्पई सोरेन के पुत्र हैं, पूर्णिमा दास, जो पूर्व मुख्यमन्त्री रघुवर दास की पुत्रवधू हैं, शत्रुध्न महतो, जो भाजपा सांसद दुल्लू महतो के भाई हैं, तथा रागिनी सिंह, जो पूर्व विधायक संजीव सिंह की धर्मपत्नी हैं। सीता सोरेन, जो जे.एम.एम. के जाने-माने नेता शिबु सोरेन की पुत्र-वधू है, भी जामताड़ा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि एक अन्य पूर्व मुख्यमन्त्री मधु कोडा की धर्मपत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी।

परिवारवाद का टैग जे.एम.एम. पर भी पूरी मजबूती के साथ लगा हुआ है। मुख्यमन्त्री हेमन्त सोरेन तो बरहेट से चुनाव लड़ ही रहे हैं, वहीं उनकी धर्मपत्नी कल्पना भी शान्डी सीट से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं, तथा हेमन्त के भाई बसन्त भी दुमका सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं। इसी बीच, पूर्व उपमुख्यमन्त्री सुधीर महतो की धर्मपत्नी सविता ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, तथा पूर्व मन्त्री जगन्नाथ महतो की धर्मपत्नी बेबी देवी डुमरी सीट से पार्टी प्रत्याशी हैं। पूर्व मन्त्री हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हाफिजुल हसन मधुपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस में, पूर्व मन्त्री अवध बिहारी सिंह की पुत्रवधू दीपिका पाण्डे सिंह महागमा सीट से तथा पूर्वमन्त्री योगेन्द्र साहू की पुत्री अम्बा प्रसाद बड़कागाँव सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

लेकिन परिवारवाद की यह प्रवृत्ति महाराष्ट्र में और भी ज्यादा दिखाई दे रही है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गये अशोक चव्हाण की पुत्री श्रीजया भाजपा टिकट पर भोकर सीट से चुनाव लड़ रही हैं, वहीं मुम्बई भाजपा प्रमुख आशीष शेलर के भाई, विनोद शेलर मलाड पश्चिम से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि आशीष स्वयं बान्द्रा पश्चिम सीट से पुनः चुनाव मैदान में हैं। श्रीगोंडा में, मौजूदा विधायक बाबनराव पचौटे की पत्नी प्रतिभा चुनाव लड़ रही हैं। कल्याण पूर्व सीट से भाजपा मौजूदा विधायक गणपत गायलवाड़ की पत्नी सुलभा को टिकट दिया है। पूर्व केन्द्रीय मन्त्री नारायण राणे के दूसरे नम्बर के बेटे नीलेश शिवसेना (शिन्दे) प्रत्याशी के रूप में कान्दीवली सीट से चुनाव लड़ेंगे। चिंचवाड़ जिले में, वर्तमान विधायक अश्वनी जगताप के भाई शंकर भाजपा प्रत्याशी के रूप में खड़े किए गए हैं। शिन्दे के नेतृत्व वाली सेना ने राज्य के मन्त्री उदय सामन्त के भाई किरण को राजापुर से पुनः प्रत्याशी बनाया है। शिव सेना (शिन्दे) के सांसदों सन्दीपन मुमारे तथा रवीन्द्र वाड्कर के परिजनों को भी प्रत्याशी बनाया गया है। सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने आदित्य ठाकरे को वर्ली सीट से तथा चचेरे भाई वरुण सरदे साई को बान्द्रा पूर्व से खड़ा किया है। राज्यसभा सांसद संजय राउत के भाई सुनील विखरोली सीट से खड़े किए गए हैं। एम.एन.एस. नेता राज ठाकरे के पुत्र अमित मुम्बई की महिम सीट से खड़े किए गए हैं। सच तो यह है कि यह सूची अनन्त है।

'नड्डा और मैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बताये थे। उन्होंने जोर देते हुए कहा था कि एकता किसी भी राष्ट्र के लिये बहुत महत्वपूर्ण होती है।

होसबाले ने कहा, ''इस नारे के पीछे भावना क्या है? भावना यह है कि हिन्दू समाज को संगठित रहना चाहिये। अगर हम जाति, रंग, पंथ के आधार पर बँट जायेंगे, तो हम मार दिये जायेंगे। एकता हर राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण होती है। यह (कटेंगे-बँटेंगे) इन्हीं भावनाओं के सम्प्रेषण एक दूसरा तरीका मात्र है।''

प्रियंका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रखा। फिर उन्होंने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया, मुझे एक जप माला दी। उन्होंने मुझसे अपने साथ काम करने को कहा, इसके 5-6 साल बाद मैं वहाँ गई। मैं बच्चों को पढ़ाती थी। हम बाथरुम साफ करते थे, खाना बनाने थे। तब मुझे उनका दर्द समझ में आने लगा। मैंने जाना सेवा क्या होती है। कैसे समुदाय एक दूसरे की मदद करता है। यही सब मैंने भू-स्खलन के समय वायनाड में देखा कि कैसे आप सब एक दूसरे की मदद कर रहे थे। मुझे आप पर गर्व है। आप साहसी लोग हैं।

भतीजे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हित सरकार बनायेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा गठबंधन महँगाई, बेरोज़गारी, कृषकों, महिलाओं, आदिवासियों और गरीबों से जुड़े सवालों के समाधान के लिये काम करेगा।''

महाराष्ट्र चुनाव की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कटिंग व पॉलिशिंग होती है। मुम्बई में ट्रेडिंग व एक्सपोर्ट होता है। डायमंड ट्रेड पार्क सूरत में बनाया गया। सरकार का कदम फेल हो गया क्योंकि अधिकांश हीरा व्यापारियों ने वापस अपना काम मुम्बई में सैट कर लिया।''

रमेश ने कहा, टाटा एयरबस मैन्युफैक्चरिग प्लांट के अलावा वेदांता-फॉक्सकॉन चिप फैक्ट्री भी महाराष्ट्र से गुजरात ले जाई गई थी पर यह कदम भी सफल नहीं हुआ। ड्रग पार्क भी गुजरात शिफ्ट किया गया। टैक्सटाइल कमिश्नरेट ऑफिस जो 86 साल से मुम्बई में था को गत वर्ष बिना किसी कारण दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया, जबकि यह जाना माना तथ्य है कि मुम्बई मैट्रोपॉलिटन रीजन टैक्सटाइल का बड़ा केन्द्र है। दत्तोपंत ठेंगडी नैशनल बोर्ड फॉर वर्कर्स एजुकेशन एण्ड डवलपमैंट को भी वर्ष 2021 में नागपुर से हटा कर दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी ऐसे पक्षपात में भरोसा नहीं करता है। हम पूरे प्रदेश के समुचित विकास में यकीन करते हैं। नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स, स्पेशल इन्वैस्टमैंट ज़ोन्स और मॉडर्न उद्योगों से सभी भारतीयों को लाभ होना चाहिए, सिर्फ एक राज्य को नहीं।

क्या आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनका, कन्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) के रुप में कार्यकाल नवम्बर में समाप्त हो रहा है। माना जा रहा है कि मोदी प्रशासन के एक विश्वासपात्र ब्यूरोक्रैट का केन्द्र के वित्तीय मामलों के निरीक्षण के लिये चयन किया जाएगा। मुर्मू को एक्सटैंशन नहीं मिल सकता, क्योंकि उनकी नियुक्ति की शर्तों में साफ लिखा है कि रिटायर होने के बाद वे न एक्सटैंशन ले सकते हैं न कोई नया पद। वहीं, चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र (सी.ई.ए.) एवं सेबी चेयरपर्सन को संभवत: पुन: नियुक्त किया जा सकता है। आर.बी.आई. के बारे में निर्णय के एक महीने के बाद, सरकार को चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र (सी.ई.ए.), वी. अनंत नागेस्वरन के बारे में निर्णय लेना होगा। शीघ्र ही बजट की तैयारियाँ शुरु होने के कारण सी.ई.ए. के बारे में जल्दी निर्णय लिए जाने की संभावना है, क्योंकि सी.ई.ए. को ही बजट तथा इकोनॉमिक सर्वे के लिए आवश्यक तकनीकी सलाह देनी होती है।

माधवी पुरी बुच को लेकर उठे विवादों के कारण सेबी चीफ की नियुक्ति सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। माधवी बुच इस रैगुलेटरी बॉडी के शीर्ष पद की अध्यक्षता करने वाली पहली महिला तथा पहली निजी क्षेत्र की नेता हैं। माधवी पुरी बुच पर अनियमितता तथा हितों के टकराव के आरोप लगे हैं, जिनका उन्होंने खण्डन किया है। इस बीच यह आंतरिक बहस चल रही है कि क्या सिविल सेवक ऐसी भूमिकाओं के लिए बेहतर हैं। मार्च 2022 में तीन साल के कार्यकाल के लिए सेबी चीफ बनी, माधवी बुच पुनर्नियुक्ति के लिए योग्य हैं, क्योंकि उनके कई पूर्ववर्तियों के ऐसे कार्यकाल रह चुके हैं। ए ग्रेड मिलने के बाद शक्तिकांत दास, डैनमार्क के क्रिश्चियन कैटल थॉमसन, एवं स्विट्ज़रलैंड के सैंट्रल बैंक के प्रमुख थॉमस जॉर्डन की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। ए ग्रेड प्राप्त करने वाले केन्द्रीय बैंकर्स हैं, ब्राज़ील के रॉबर्टो कैम्पोस नेटो, चिली के टोसन्ना कोस्टा, मॉरीशस के हरवेश कुमार सीगोलाम, मोरॉक्को के अब्देललतीफ जोआहरी, दक्षिण अफ्रीका के लेसेटजा कग्न्यागो, श्रीलंका के नंदलाल वीरसिंघे एवं वियतनाम के गुएन थी होंग। ग्लोबल फाइनैंस के अनुसार, विश्वभर के केन्द्रीय बैंकों के लिए, गत बारह महीने बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं। ये लोग न केवल महंगाई से लड़ रहे हैं तथा मंदी से बचने की कोशिश कर रहे है, और अक्सर अपने जॉब मार्केट को सपोर्ट कर रहे हैं, बल्कि ये दुनियाभर के अन्य तब बड़े केन्द्रीय बैंकों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का पूर्वानुमान लगाने तथा उनसे डील करने का प्रयास भी कर रहे हैं और साथ ही साथ अपनी करैंसी की रक्षा करने में भी जुटे हुए है।

अक्सर कम विकास और कम इन्फ्लेशन की अपेक्षाओं के आधार पर एक नई मौद्रिक नीति की तैयारी करने के लिए भी काम कर रहे हैं। ये लोग आमतौर पर अन्य केन्द्रीय बैंकों के एक्शन पर हाथ की हाथ प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्थिक स्थितियों के अलग अनुमान के आधार अपनी ब्याज दरों के साथ स्वतंत्र रुख अपनाने के खतरे व संभावनाएं भी शामिल हैं। इस प्रकार अधिकांश गवर्नर्स के लिए ग्रोथ व इन्फ्लेशन के बीच संतुलन बिठाने की कड़ी चुनौती तो रही ही है, साथ ही हर स्थिति पर बारीक नज़र भी रखनी पड़ती है।

भाजपा ने महाराष्ट्र की तीसरी सूची जारी की

- इस सूची में 25 प्रत्याशियों के नाम हैं। भाजपा अब तक 146 नाम घोषित कर चुकी है।

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। वहीं दूसरी सूची में 22 प्रत्याशियों के नाम घोषित किये थे। इस तरह से पार्टी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 146 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

सुरक्षा बलों ने अखनूर में 3 आतंकी मारे

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। अफसरों ने बताया कि एक आतंकवादी की बॉडी मिल गई है। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल (एल.ओ.सी.) के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढे र कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मुठभेड़ में सेना के डॉग फैंटम की भी मौत हो गई। जम्मू के डिफेंस पी.आर.ओ. ने कहा कि हम अपने डॉग फैंटम के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। हमारे सैनिक जब फंसे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंच रहे थे, तब फैंटम ने दुश्मन की गोलीबारी को झेला, जिससे वह घायल हो गया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908